नई दिल्ली । सोमवार, 27 अप्रैल, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :111 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल टी20 मुंबई विमेंस लीग का लोगो जारी किया
@ विचार लोकप्रियता से विवाद तक का सफर...
@ व्यापार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अदाणी विकास केंद्र...

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग, बाल-बाल बचे ट्रंप

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया।

हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है।

पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन

'हर बार आप ही निशाने पर क्यों?' पत्रकार ने पूछा सवाल

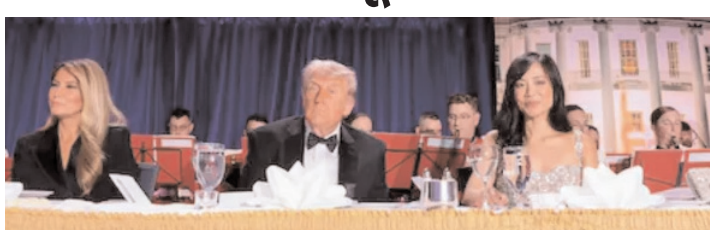

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर हमले की साजिश ने फिर से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब दो घंटे तक चले हाई-अलर्ट के बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस से राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान फॉक्स न्यूज के रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि आखिर ऐसा बार-बार आपके साथ ही क्यों हो रहा है? इस पर ट्रंप ने उदाहरण देते हुए कहा कि मैंने हमलों और हत्याओं का अध्ययन किया है। जिन लोगों का सबसे ज्यादा प्रभाव होता है, जैसे (अब्राहम लिंकन) उन्हीं को निशाना बनाया जाता है। ट्रंप ने कहा कि मैं यह कहने से हिचकता हूं कि मुझे इस पर गर्व है, लेकिन हमने देश में कई बड़े बदलाव किए हैं और बहुत से लोग इससे खुश नहीं हैं। शायद यही वजह है।

मैं सामान्य जीवन जीता हूं : ट्रंप

लगातार खतरों के बीच अपने मानसिक हालात पर ट्रंप ने कहा कि मैं एक सामान्य जीवन जीता हूं, हालांकि यह खतरनाक है। कई लोग ऐसी स्थिति में टूट जाते हैं, लेकिन मैं टूटने वालों में से नहीं हूं। यह डिनर 2015 के बाद पहली बार था, जब ट्रंप इस कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी थी।

ईरानी विदेश मंत्री फिर पाकिस्तान पहुंचे : दो दिन में दूसरा दौरा

ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका से सीधे बातचीत नहीं करेगा

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गए हैं। यह उनका दो दिन में दूसरा दौरा है। इस दौरान वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। इस्लामाबाद में थोड़ी देर रुकने के बाद अराघची रूस के लिए रवाना हो जाएंगे।

इससे पहले उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान की शर्तें और अमेरिका की मांगों पर अपनी आपत्तियां पाकिस्तान को सौंपी थीं। ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका से सीधे बातचीत नहीं करेगा और अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही पहुंचाएगा। अराघची शनिवार शाम ओमान के लिए रवाना हो गए थे। उन्होंने आज ओमान सुल्तान तारिक बिन हैथम से मुलाकात की। इस दौरान जंग और शांति बहाली की कोशिशों पर चर्चा हुई।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- पाकिस्तान दौरा काफी उपयोगी रहाअब्बास अराघची ने पाकिस्तान दौरे को काफी उपयोगी बताया। उन्होंने शांति बहाल करने के लिए पाकिस्तान की कोशिशों की तारीफ की। जर्मनी होर्मुज स्ट्रेट मिशन में शामिल होगा, जर्मनी ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद वह होर्मुज स्ट्रेट से माइंस हटाने के अंतरराष्ट्रीय मिशन में हिस्सा लेगा।

इजराइल ने हिजबुल्लाह का संदिग्ध ड्रोन मार गिरायाइजराइल ने वेस्टर्न गलीली इलाके में एयर डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को नष्ट किया गया। इसे सीजफायर उल्लंघन बताया गया। मिनाब स्कूल हमले पर एआई वीडियो जारी, ईरान ने 28 फरवरी को मिनाब स्कूल हमले में मारी गई एक छात्रा का एआई वीडियो जारी किया। इसे फातिमा की कहानी नाम दिया। जंग के बाद हज यात्रियों का पहला जत्था मदीना पहुंचा, ईरान से हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी अरब पहुंचा। इसे दोनों देशों के संबंधों के सामान्य होने के तौर पर देखा जा रहा है।

दिल्ली : स्विस एयर की फ्लाइट में पायलट की सूझ-बूझ से टला हादसा

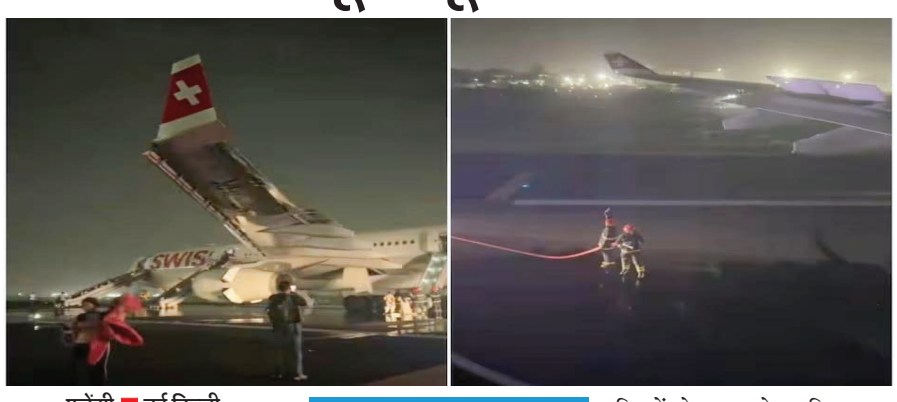

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर रविवार तड़के बड़ा विमान हादसा होते-होते बच गया। ज्यूरिख जा रही स्विस एयर की फ्लाइट टेकऑफ के लिए रनवे पर थी, तभी अचानक लेफ्ट लैंडिंग गियर से धुआं उठने लगा।

पायलट ने तुरंत फैसला लेते हुए टेकऑफ रोक दिया और एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। इसके बाद जो हुआ, उसने सबको डरा दिया एक साथ 7 इमरजेंसी गेट खोले गए और यात्रियों को स्लाइड से बाहर निकाला गया।

फ्लाइट में 232 लोग सवार थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया

फ्लाइट में 232 लोग सवार थे, जिनमें से 227 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि इस अफरा-तफरी में 4 यात्री घायल हो गए, जिनमें 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा गया।

मौके पर फायर टेंडर और मल्टी एजेंसी टीम तुरंत पहुंची और हालात को कंट्रोल किया गया। अगर पायलट समय रहते फैसला नहीं लेते, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

नीट में कड़ी सख्ती, लेट हुए या नियम तोड़े तो सीधे बाहर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

3 मई को होने वाली नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इस बार एग्जाम में जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने साफ कर दिया है कि परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी या नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

सबसे बड़ा नियम एग्जाम सेंटर पर कम से कम 2 घंटे पहले पहुंचना जरूरी है। लेट हुए तो अंदर एंट्री नहीं मिलेगी, चाहे वजह कुछ भी हो।

एंट्री से पहले मल्टी-लेयर चेकिंग होगी। मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान पूरी तरह बैन रहेंगे। यहां तक कि पेन भी घर से नहीं ले जाना है, सेंटर पर ही दिया जाएगा। सिर्फ पारदर्शी पानी की बोतल ले जा सकते हैं, बाकी खाने-पीने का सामान भी बैन है। प्रशासन का साफ मैसेज है इस बार कोई रिस्क नहीं, पूरी तरह नकल-मुक्त और फेयर एग्जाम होगा। छोटी सी गलती भी आपका साल खराब कर सकती है।

सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे टीएमसी के सभी सिंडिकेट : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के तेहट्टा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है और भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 110 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि दूसरे चरण में बाकी काम पूरा कर भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर चुकी है।

महिलाओं और युवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो मई महीने से राज्य की हर महिला के बैंक खाते में 3,000 रुपए भेजे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3,000 रुपए प्रति माह जमा कराए जाएंगे। शाह ने यह भी घोषणा की कि हर गर्भवती महिला को बच्चे की देखभाल और पोषण के लिए 21,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लहसुन किसानों के साथ राज्य सरकार ने धोखा किया है। देश के अन्य हिस्सों में लहसुन 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, लेकिन बांग्लादेश के रास्ते आ रहे नकली चीनी लहसुन की वजह से बंगाल के किसानों को अपनी उपज सिर्फ 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बेचनी पड़ रही है।

चिपको आंदोलन की नायिका बचनी देवी नहीं रही

100 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी ■ नई टिहरी

हेंवलघाटी की चिपको आंदोलन की एक नायिका बचनी देवी का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पैतृक घाट शिवपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर चिपको आंदोलन व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने शोक संवेदना प्रकट की।

विकासखंड नरेंद्रनगर के अदवाणी गांव निवासी चिपको नेत्री बचनी देवी का शनिवार को देहरादून स्थित आवास पर निधन हो गया था। वहीं रविवार को उनके गांव के पैतृक घाट शिवपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बताते चलें कि 1977 में हेंवलघाटी के अदवाणी क्षेत्र में जब सरकार की ओर से जंगलों के व्यापारिक कटान की अनुमति मिली, तो वहां कटान का विरोध कर रहे आंदोलन के शीर्ष नेता धूम सिंह नेगी, विजय जड़धारी, सुदेशा बहन के साथ बचनी देवी भी खड़ी हो गई। खास बात यह है कि उस समय गांव के प्रधान उनके पति थे,

वन संरक्षण में रहा अहम योगदान

जो जंगलों के ठेकेदार भी थे। लेकिन वह जंगलों को बचाने के लिए अपने पति व परिवार से विद्रोह कर गई। उन्होंने कहा कि परिवार बाद में पहले जंगलों को बचाना है।

उन्होंने आंदोलन में क्षेत्र की महिलाओं को भी संगठित करने का कार्य किया। कई दिनों तक परिवार का विरोध झेलते हुए भी वे आंदोलन में सक्रिय भागीदारी करती रही। आखिरकार सरकार को अदवाणी में जंगलों के कटान पर रोक लगानी पड़ी। चिपको नेता विजय जड़धारी ने बताया कि बचनी देवी ने चिपको आंदोलन के दर्शन को समझते हुए जंगलों को बचाने के लिए जो कार्य किया, वह प्रेरणादाई है।

उन्होंने कहा कि बचनी देवी हमेशा प्रकृति से जुड़ी रही, इसीलिए उन्होंने इतना लंबा जीवन भी जिया। वे अपने पीछे पांच पुत्रों और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं।

उनके निधन पर वरिष्ठ चिपको नेता धूम सिंह नेगी, विजय जड़धारी, सुदेशा बहिन, रघुभाई जड़धारी, दयाल सिंह भंडारी, डीपी उनियाल, पूर्व प्रमुख राजेंद्र भंडारी, पूर्व पालिकाध्यक्ष सूरज राणा, साब सिंह सजवाण, कुसुम रावत, राजेंद्र नेगी, रवि गुसांई, सिद्धार्थ समीर, विपिन जड़धारी आदि ने शोक संवेदना प्रकट कर श्रद्धांजलि दी।

चार मई के बाद टीएमसी के गुंडों का हिसाब होगा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ■ आरामबाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में दूसरे और अंतिम चरण के लिए 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले रविवार को आरामबाग में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले मैं सिंगूर आया था, उस समय मैंने टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ-साफ देखा था। आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है, और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि 15 साल तक तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल के लोगों को लूटा, लेकिन ये लोग एक चीज भूल गए, जब अत्याचार की हद हो जाती है, तो जनता मां दुर्गा का रूप धरकर अन्याय का विसर्जन कर देती है। आज बंगाल के हर बूथ पर उमड़ता जनसैलाब कह रहा है, भय आउट, भरोसा इन। टीएमसी की निर्मम सरकार, नबन्ना सचिवालय से नहीं चलती है। इस सरकार को या तो गुंडे चलाते हैं या फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार हरकत में आती है।

उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि बंगाल में मतदान के सभी पिछले रिकॉर्ड टूट जाएंगे, और बंगाल की जनता ने 23 अप्रैल को इसे सच कर दिखाया। अब आपको 23 अप्रैल को बने रिकॉर्ड को तोड़ना होगा। जनता के मिजाज का अंदाजा न लगा पाने वाले लोग भारी संख्या में मतदाताओं के आने से हैरान हैं। टीएमसी नेता चिंतित हैं क्योंकि उन्होंने इतनी भारी संख्या में मतदान की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने यहां अपने कुकर्मों से बंगाल की जनता का भरोसा खो दिया है, इसलिए लोग आए दिन कोर्ट-कचहरी जाने को मजबूर हैं। शिक्षक भर्ती घोटाला, टीएमसी के मंत्रियों ने भर्ती लूट ली, हजारों युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया। संवेदनशील सरकार होती तो ईमानदारी से जांच करती, लेकिन कोर्ट को इस मामले में जांच के आदेश देने पड़े यानी टीएमसी सरकार की विश्वसनीयता शून्य है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान, जिनका संचालन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी उन्हीं के हाथों में होती है, न्यायालय इस बात से आश्वस्त हुआ कि टीएमसी सरकार सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ है, और इसलिए न्यायालय ने केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया। इसका अर्थ है कि टीएमसी की विश्वसनीयता शून्य है। एक अन्य उदाहरण संदेशखाली मामले की जांच है। इसमें भी न्यायालय ने टीएमसी सरकार पर सवाल उठाए।

जेपीएससी की झारखंड पात्रता परीक्षा में प्रश्न पत्रों की कमी से हंगामा, दो विषयों की परीक्षा रद्द

रांची/बोकारो। झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित झारखंड व्याख्याता पात्रता परीक्षा (झारखंड एलिजिब्लिटी टेस्ट) भारी कुप्रबंधन और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई। रांची और बोकारो के एक-एक परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्रों की भारी कमी और तकनीकी खामियों के कारण अभ्यर्थियों ने जोरदार हंगामा किया।

इसके बाद आयोग ने उड़िया विषय (कोड-023) और शिक्षा विषय (कोड-009) की परीक्षा रद्द कर दी है। दोनों विषयों की परीक्षा अब दोबारा कराई जाएगी, जिसकी नई तिथि, समय और केंद्र से संबंधित जानकारी जल्द ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

बोकारो के सेक्टर-9 स्थित सरदार पटेल पब्लिक स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अभ्यर्थियों को पता चला कि शिक्षा विषय (कोड-009) के प्रश्नपत्रों के एक सेट की 32 प्रतियां पहुंची ही नहीं हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे प्रशासन ने स्वीकार किया कि संबंधित विषय के प्रश्नपत्र गलती से धनबाद भेज दिए गए हैं।

इस सूचना के बाद देवघर, दुमका और गोड्डा जैसे दूर-दराज के जिलों से आए 729 अभ्यर्थी आक्रोशित हो गए और केंद्र के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी। न तो परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति हो सकी और न ही उन्हें पेपर दिया गया।

हंगामे को देखते हुए बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर पहुंचे। उनके साथ सिटी डीएसपी, यातायात डीएसपी और कई थानों की पुलिस को तैनात करना पड़ा।

इसी तरह रांची के जिला स्कूल स्थित केंद्र पर उड़िया विषय के जो प्रश्न पत्र वितरित किए गए, वह अपठनीय थे। यहां भी परीक्षार्थियों ने हंगामा किया। रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस घटना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा, 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और घोर लापरवाही है। परीक्षा रद्द करना समाधान नहीं है, बल्कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जेपीएससी में बैठे लोग शायद युवाओं की मेहनत और उनके संघर्ष की अहमियत नहीं समझते। सिर्फ एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दोषियों को छोड़ा नहीं जाना चाहिए।'

झारखंड में 18 साल के लंबे अंतराल के बाद यह परीक्षा आयोजित की जा रही थी। कई छात्र झारखंड के बाहर के राज्यों से तत्काल टिकट लेकर पहुंचे थे। अभ्यर्थियों ने सिस्टम की पारदर्शिता और तैयारियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

गोवा बोर्ड 10वीं का रिजल्ट घोषित, 94.51 प्रतिशत छात्र हुए पास

पणजी। गोवा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन ने कक्षा 10वीं का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 20,618 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 19,486 छात्र सफल घोषित हुए हैं। इस बार कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 94.51 फीसदी दर्ज किया गया है। परीक्षा 13 मार्च से 9 अप्रैल तक कुल 20 दिनों में आयोजित की गई थी। यह परीक्षा राज्यभर के 32 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई थी।

घोषित परिणामों के अनुसार, इस साल भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए लड़कों को पीछे छोड़ दिया। लड़कियों का कुल पास प्रतिशत 96.51 रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 94.37 दर्ज किया गया। गोवा बोर्ड के अनुसार, छात्राओं ने एक बार फिर शैक्षणिक प्रदर्शन में बढ़त बनाए रखी है। बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है और अधिकांश स्कूलों का रिजल्ट संतोषजनक रहा है। परिणाम घोषित होने के साथ ही छात्र-छात्राएं बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

गोवा बोर्ड का परिणाम देखने के लिए, छात्रों को आधिकारिक वेबसाइट पर अपने एडमिट कार्ड पर दिए गए सीट नंबर/रोल नंबर और अन्य आवश्यक लॉगिन क्रेडेंशियल दर्ज करने होंगे। परिणाम डिजिलॉकर पर भी उपलब्ध करा दिए गए हैं।

रिजल्ट जारी होने के बाद सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में खुशी का माहौल है। वहीं, शिक्षा विभाग ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

`2025 में जीबीएसएचएसई (गोवा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन) कक्षा 10 के परिणाम में 95.35 प्रतिशत छात्र सफल घोषित हुए थे। पिछले साल परीक्षा में कुल 18,838 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे, जिनमें से 17,961 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की थी। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों में 9,280 लड़के और 9,558 लड़कियां थीं। साल 2025 में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 95.35 फीसदी दर्ज किया गया था।

रांची : हटिया स्टेशन पर मानव तस्कर के कब्जे से तीन नाबालिग मुक्त, आरोपी गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल ने रांची के हटिया रेलवे स्टेशन पर तीन नाबालिग बच्चों को मानव तस्कर के चंगुल से मुक्त कराया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

आरपीएफ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, हटिया स्टेशन के मुख्य द्वार पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक के साथ तीन बच्चों को देखा।

पूछताछ में पता चला कि पश्चिम बंगाल का पुरुलिया निवासी 27 वर्षीय नयन कुमार इन बच्चों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेंगलुरु ले जा रहा था। ये सभी ट्रेन संख्या 18367 से रवाना होने वाले थे। बच्चों ने बताया कि वे आरोपी को पहले से नहीं जानते थे, लेकिन गांव के अन्य बच्चों को भी इसी तरह काम के बहाने बाहर ले जाया गया है। गिरफ्तार आरोपी नयन कुमार ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि वह बेंगलुरु के कंस्ट्रक्शन साइट्स पर मजदूर सप्लाई करता है और इसके बदले उसे हर मजदूर पर 300 से 400 रुपये का मासिक कमीशन मिलता है। आरोपी ने यह भी खुलासा किया कि वह हरिहर कुमार नामक व्यक्ति के इशारे पर काम करता है, जो गरीब परिवारों को पैसों का लालच देकर बच्चों को भेजने के लिए तैयार करता है। जांच में पता चला कि घटना के दिन ही आरोपी के फोनपे पर 25,000 रुपये भेजे गए थे।

पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, बच्चों के पहचान पत्र (आधार कार्ड की प्रतियां) और रेलवे टिकट जब्त किए हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी नयन कुमार को आगे की कार्रवाई के लिए एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) कोतवाली, रांची को सौंप दिया गया है। वहीं, रेस्क्यू किए गए तीनों बच्चों को सुरक्षित 'बालाश्रय' रांची भेज दिया गया है। मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर चलाए गए इस सफल अभियान में हटिया पोस्ट कमांडर, महिला सेल रांची की निरीक्षक कुजूर, एसआई दीपक कुमार, उज्ज्वल कुमार, सुनीता तिर्की सहित पी. पान, एम. बिस्वास, एस. पी. टोप्पो और मोहिनी साहू समेत अन्य जवानों का सराहनीय योगदान रहा।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव व्यवस्था देखकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हुए हैरान : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में पहले चरण में हुई वोटिंग को लेकर चुनाव आयोग ने कहा कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनावों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को प्रभावित किया।

चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग के अंतरराष्ट्रीय निर्वाचन आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) 2026 के तहत, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण 1) में हुए विधानसभा चुनावों ने विश्व भर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है, क्योंकि 16 देशों के 32 प्रतिनिधि और 'इंटरनेशनल आईडीईए' भारत की चुनावी प्रक्रियाओं की विशालता, सटीकता और जीवंतता के प्रत्यक्ष गवाह बने।

चुनाव आयोग ने कहा कि इस अनुभव को 'लोकतंत्र का एक सच्चा उत्सव' बताते हुए प्रतिनिधियों ने मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी, चुनाव आयोग की बारीकी से बनाई गई योजना और चुनावों के निर्बाध संचालन की तारीफ की।

चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि तमिलनाडु के चेन्नई में एक मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया देखने के बाद मॉरीशस की उच्चायुक्त शीलाबाई बाप्पू ने कहा कि भारत पूरी दुनिया को ये अनुभव, प्रक्रियाएं और ज्ञान दे रहा है कि यह सब कैसे किया जाता है। यही तो लोकतंत्र है।

चुनाव आयोग ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की अपनी दो दिवसीय यात्रा (22-23 अप्रैल) की शुरुआत प्रेषण और वितरण केंद्रों का दौरा करके की, जहां उन्होंने सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स और सुस्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के माध्यम से चुनावी सामग्रियों के साथ-साथ मतदान दलों के सुव्यवस्थित आवागमन का अवलोकन किया।

फिलीपींस की मेनिसा ऐनी एम. टेलन ने बंगाल के सिलीगुड़ी का जिक्र कर कहा कि मैं प्रेषण (डिस्पैच) सेंटर पर थी और मैं यह देखकर हैरान रह गई कि वहां कितनी चहल-पहल थी। पोलिंग अधिकारियों को तीन-भागों वाली ईवीएम मशीनें मिल रही थीं। कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू), और वीवीपैट। यह एक शानदार अनुभव था। बहुत ही पारदर्शी और व्यवस्थित।

ईसीआई ने बतायो कि प्रतिनिधियों ने तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में दार्जिलिंग जिले के वरिष्ठ जिला निर्वाचन पदधारियों से भी बातचीत की। उन्हें चुनावों के समग्र संचालन और शांतिपूर्ण तथा सुचारू चुनाव सुनिश्चित करने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में पूरी जानकारी दी गई। इस बातचीत के दौरान, प्रतिनिधियों ने चुनावी व्यवस्थाओं की सराहना की और विशेष रूप से, बुजुर्ग मतदाताओं तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से मतदान करने की सुविधा को एक बेहतरीन पहल बताया।

चुनाव आयोग ने बताया कि प्रतिनिधियों ने मतदान केंद्रों की 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की निगरानी के लिए स्थापित मीडिया/वेबकास्टिंग नियंत्रण कक्षों का भी दौरा किया, और इसे पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इलेक्शन कमीशन की ओर से बताया गया कि मतदान के दिन सुबह, प्रतिनिधियों ने मॉक पोल का अवलोकन किया। इसके बाद, उन्होंने वास्तव में जारी मतदान प्रक्रिया को देखने के लिए चेन्नई (तमिलनाडु) और सिलीगुड़ी तथा कर्सियांग (पश्चिम बंगाल) में विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया।

एक दिन में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का वितरण, आपूर्ति नॉर्मल : सरकार

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से रविवार को जारी अपडेट के अनुसार, शनिवार को 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। कहा गया कि खुदरा वितरकों पर कुकिंग गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है।

इसके अलावा, इस वर्ष मार्च से अब तक 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया गया है और अतिरिक्त 2.62 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया है कि 42,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

इस बीच, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग में 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्रमाणीकरण कोड आधारित डिलीवरी में लगभग 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण समग्र एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने के बावजूद, घरेलू उपयोग के लिए खाना पकाने की गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है। शनिवार को 9,131 मीट्रिक टन से अधिक कमर्शियल एलपीजी (4.8 लाख 19 किलोग्राम सिलेंडरों के बराबर) की बिक्री हुई, जिससे इस माह की कुल बिक्री 1,64,655 मीट्रिक टन (86.66 लाख 19 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों के बराबर) हो गई है। इस बीच, एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन अभियान जारी हैं। शनिवार को देशभर में 2,100 से अधिक छापे मारे गए।

र्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अचानक निरीक्षण बढ़ा दिए हैं और अब तक 310 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया है और 70 एलपीजी वितरकों को निलंबित किया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आगे कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के मद्देनजर, वह देशभर में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करने और अफवाहों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। सही जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें।

देश में बिजली की मांग बढ़ी, रिकॉर्ड डिमांड 256.11 गीगावॉट तक पहुंची

नई दिल्ली। विद्युत मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, देश भर में भीषण गर्मी के कारण शनिवार को भारत में बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड 256.11 गीगावॉट तक पहुंच गई, जिससे घरेलू और वाणिज्यिक दोनों उपभोक्ताओं को एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग डिवाइस का उपयोग बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

शनिवार को बिजली की अधिकतम मांग पिछले दिन की 252.07 गीगावॉट की खपत को पार कर गई, जो कि अब तक का सबसे उच्च स्तर था। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि देश में बिजली उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त था, इसलिए बिजली कटौती की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की मांग में और भी वृद्धि होगी। विद्युत मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी के लिए यह 270 गीगावॉट होगी।

अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में बेमौसम बारिश से तापमान में कमी आने के कारण बिजली की मांग अपेक्षाकृत कम रही थी, लेकिन हाल के दिनों में इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। हालांकि, अप्रैल के मध्य से तापमान में लगातार वृद्धि के कारण बिजली की खपत में भारी उछाल आया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ गया है, जो देश के कुछ हिस्सों में लू लगने की आशंका को दर्शाता है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल से जून 2026 तक पूरे देश में भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। उत्तरी भारत-गंगा के मैदानी इलाकों, मध्य भारत और पूर्वी तटीय राज्यों में सामान्य से अधिक लू चलने की आशंका है।

उत्तराखंड : चार धाम यात्रा पर अब तक पहुंचे 2.38 लाख से ज्यादा श्रद्धालु

देहरादून। भारत की सबसे पवित्र और प्रसिद्ध तीर्थयात्राओं में से एक चारधाम यात्रा का 2026 सीजन शुरू हो गया है। छह महीने की शीतकालीन बंदी के बाद अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खोल दिए गए हैं। इस बीच राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून ने बताया कि अब तक 2.38 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चार धाम यात्रा पर पहुंचे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार विगत शनिवार शाम 7:00 बजे तक श्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में 02 लाख 38 हजार 590 तीर्थ यात्रियों ने दर्शनों का पुण्य लाभ प्राप्त किया। शनिवार को 55 हजार 998 से तीर्थ यात्री चार धाम पहुंचे।

बद्रीनाथ धाम में 37 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। श्री बद्रीनाथ धाम में कपाट खुलने की तिथि 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 37,884 तीर्थयात्री धाम पहुंचे। शनिवार को धाम में 13,107 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि 22 अप्रैल से चार दिनों के भीतर 1,24,782 तीर्थयात्री धाम पहुंचे। शनिवार को धाम में 31,160 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

श्री यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम के कपट खुलने की तिथि 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 75,924 तीर्थ यात्रियों ने धामों में दर्शन किए। यमुनोत्री धाम में आज 38,206 तीर्थ यात्रियों ने तथा गंगोत्री धाम में 37,718 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

वहीं, चार धाम यात्रा प्रशासन संगठन के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) प्रजापति नौटियाल ने रविवार को बताया कि तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य जांच के लिए यात्रा मार्ग पर विशेष ट्रांजिट कैंप लगाए गए हैं। इसके साथ ही, अधिकारी ने बताया कि तीर्थ स्थलों की ओर जाने वाले मार्ग पर आउट पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष चार धाम यात्रा 19 अप्रैल को यमुनात्री और गंगोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई। केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम क्रमश: 22 और 23 अप्रैल को खोले गए।

आईएएनएस से बात करते हुए नौटियाल ने हिंदू तीर्थयात्रा पर जाने वाले लोगों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी स्वास्थ्य सलाह को ध्यानपूर्वक पढ़ने और समझने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम सभी तीर्थयात्रियों से अपेक्षा करते हैं कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इस सलाह को पढ़ें और समझें तथा तदनुसार योजना बनाएं। यदि आपको चक्कर आना, सीने में दर्द या सिरदर्द जैसे कोई लक्षण महसूस हों, तो आपको उचित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए या किसी ओपीडी में जाकर यात्रा मार्गों पर उपलब्ध चिकित्सा दल से परामर्श लेना चाहिए।

प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति : अरुण साव

सलेक्शन पॉलिसी और एज फ्रॉड पर भी विशेष चर्चा हुई

रायपुर। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया। साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रेक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए छत्तीसगढ़ में बेहतर खेल अवसंरचना, प्रतिभा संवर्धन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया।

साव ने कहा कि प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। मजबूत खेल व्यवस्था और प्रोत्साहन से ही देश को ओलंपिक खेलों में बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ और पूरे देश में खेलों के समग्र विकास, सुदृढ़ खेल व्यवस्था के निर्माण तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी आज अलग-अलग सत्रों में खेल प्रशासन, नीतिगत सुधार एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान राज्यों में खेल सामग्रियों के निर्माण, सरकारी योजनाओं तथा स्पोर्ट्स स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसमें यह बात प्रमुखता से आई कि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरणों का निर्माण किया जाए, जिससे देश का खेल उद्योग आत्मनिर्भर बन सके।

एक महत्वपूर्ण सत्र में सलेक्शन पॉलिसी और एज फ्रॉड पर भी विशेष चर्चा हुई। इसमें खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं स्पष्ट मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही उम्र में गड़बड़ी की रोकथाम के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया एवं तकनीकी उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि खेलों में ईमानदारी एवं विश्वसनीयता बनी रहे।

बीएसपी की राजहरा माइंस के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दल्लीराजहरा क्षेत्र स्थित राजहरा कोकान माइंस के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। इलाके के जमुरवा गांव समेत आसपास के इलाकों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहाड़ी माइंस तक पहुंचकर धरने पर बैठ गए। दल्ली राजहरा की ये माइंस सेल के भिलाई इस्पात संयंत्र की आयरन ओर माइंस है।

ये सभी ग्रामीण साल्हे पंचायत की सरपंच संगीता नेताम के नेतृत्व में जंगल के रास्ते माइंस क्षेत्र तक पहुंचे और माइनिंग प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों का आरोप है कि माइनिंग कंपनी द्वारा ग्राम पंचायत साल्हे के आश्रित ग्राम जमुरवा की जमीन पर वेस्ट मटेरियल (डस्ट) डाला जा रहा है। इससे खेती को भारी नुकसान हो रहा है और आसपास का पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि धूल और अपशिष्ट के कारण फसलें खराब हो रही हैं और जीवन यापन मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब 12 गांवों की आस्था का केंद्र 'राजाराव बाबा' देवस्थल को भी माइंस के ठेकेदार द्वारा वेस्ट मटेरियल से दबाया जा रहा है। इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और आक्रोश बढ़ गया है।

बताया जा रहा है कि कोकान माइंस का ठेका देव माइनिंग कंपनी के पास है, जिस पर यह आरोप लगाए गए हैं। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर धरने पर डट गए। मौके पर भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी, पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवान पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की।

ग्रामीणों की मांग है कि माइंस में डस्ट डालने पर तत्काल रोक लगाई जाए और हुए नुकसान की भरपाई की जाए। फिलहाल प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद इलाके में माहौल गरमाया हुआ है और स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई।

इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित हुईं अंबिकापुर की गोल्फर शिवानी सोनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को अम्बिकापुर की प्रतिभाशाली गोल्फ खिलाड़ी शिवानी सोनी को अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला खिलाड़ी के रूप में 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा सम्मानित किया गया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शिवानी सोनी से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ी को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राजेश अग्रवाल ने कहा कि जब बेटियाँ अपनी मेहनत और समर्पण से सफलता के शिखर पर पहुँचती हैं, तो पूरा समाज गौरवान्वित होता है। उन्होंने आगे कहा कि शिवानी की यह सफलता युवाओं और विशेषकर बेटियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें विश्व स्तर पर मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार खिलाड़ियों को सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी ताकि वे वैश्विक पटल पर छत्तीसगढ़ की पहचान और मजबूत कर सकें।

मुलाकात के दौरान शिवानी सोनी ने मंत्री राजेश अग्रवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए बड़े गौरव की बात है। उन्होंने भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने और कड़ी मेहनत के जरिए खेल के क्षेत्र में नए मुकाम हासिल करने का संकल्प दोहराया।

शिवानी की इस उपलब्धि के बाद उनके गृह जिले अम्बिकापुर समेत पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि शिवानी का यह विश्व रिकॉर्ड आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को गोल्फ जैसे खेलों में आगे बढ़ने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

महासमुंद : आईपीएल ऑनलाइन सट्टे के मास्टरमाइंड समेत छह सटोरिए गिरफ्तार

महासमुंद। आईपीएल ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ महासमुंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य मास्टरमाइंड एडमिन समेत 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 22 मोबाइल और 1.15 करोड़ रुपए के ऑनलाइन सट्टे का रिकॉर्ड जब्त किया है। जब्त संपत्ति की कुल कीमत करीब 2 करोड़ 46 हजार 400 रुपए आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ऑनलाइन पैनल और व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए आईपीएल मैचों पर सट्टा संचालित कर रहे थे। इस गिरोह का संचालन रायपुर, बेमेतरा और महासमुंद से किया जा रहा था। आरोपी लगातार ठिकाने बदल-बदलकर अलग-अलग स्थानों से ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क चला रहे थे।

महासमुंद पुलिस को इस गिरोह के जरिए 1 करोड़ रुपए से अधिक के ऑनलाइन लेनदेन की जानकारी मिली थी। जांच में सामने आया कि गिरोह ऑनलाइन पैनल के माध्यम से आईपीएल सट्टा संचालित कर रहा था। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े 5 पैनल और 10 मास्टर लॉगिन रखने वाले सटोरियों की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि थाना महासमुंद क्षेत्र में जुआ-सट्टा के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 8 अप्रैल को महासमुंद थाना पुलिस ने बाबा फैमिली ढाबा, घोड़ारी के पास छापेमारी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ये आरोपी 'पॉवर एक्स' नामक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ऑनलाइन सट्टा खेलते और खिलाते पाए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।

प्रकरण की आगे की जांच में तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस को इस सट्टा नेटवर्क के मुख्य एडमिन और अन्य बड़े सटोरियों के बारे में अहम जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने रायपुर और बेमेतरा में दबिश देकर 6 और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें मुख्य एडमिन भी शामिल है, जो पैनल ऑपरेट करता था, आईडी बेचता था और सट्टे के पैसों का वितरण व संचालन करता था।

छत्तीसगढ़ में आसमान से बरस रही आग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी और लू ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में फिलहाल तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है और अगले तीन दिनों तक झुलसाने वाली गर्मी का दौर जारी रहेगा।

राजनांदगांव 45.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म इलाका रहा जेबकि रायपुर में भी पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि बंगाल और ओडिशा की ओर से आ रही गर्म शुष्क हवाओं के कारण हीटवेव की स्थिति और विकराल हो गई है।

तेज धूप और लू के खतरों को देखते हुए शासन ने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में तत्काल प्रभाव से बदलाव कर दिया है। अब 30 जून तक केंद्र सुबह 7 से 11 बजे तक ही खुलेंगे जिसमें बच्चों की उपस्थिति केवल सुबह 9 बजे तक ही अनिवार्य की गई है। राहत की एक धुंधली उम्मीद 26 अप्रैल को जताई गई है जब प्रदेश के कुछ हिस्सों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। हालांकि रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने के कारण वार्म नाइट की चेतावनी जारी की गई है जिससे रात में भी चैन नहीं मिलेगा।

प्रदेश में एक दो स्थानों पर अंधड़ चलने की संभावना

एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व झारखंड के ऊपर 0.9 कम ऊंचाई तक विस्तारित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण मध्य प्रदेश के मध्य भाग में 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश के दक्षिणी भाग में बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाओं का आगमन प्रारंभ हो चुका है। प्रदेश में 27 अप्रैल को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

क्या है हीटवेव का पैमाना और क्यों तप रहा है छत्तीसगढ़

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जब मैदानी इलाकों का तापमान 45 डिग्री या उससे अधिक हो जाता है तो उसे हीटवेव घोषित किया जाता है और 47 डिग्री पार करते ही यह सीवियर हीटवेव की श्रेणी में आ जाता है। वर्तमान में विदर्भ से लेकर दक्षिण भारत तक बनी ट्रफ लाइन के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के तापमान में यह उछाल आया है। रायपुर में न्यूनतम तापमान भी 28 डिग्री के करीब रहने से रातें भी गर्म हो गई हैं जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

मुख्यमंत्री साय से कुलपति प्रो. दयाल की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने शनिवार को सौजन्य मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की उन्नति और प्रगति पर प्रसन्नता जताई और कुलपति प्रो दयाल को शुभकामना दी। विश्वविद्यालय के संख्यात्मक व गुणात्मक विकास पर वृहद व व्यापक चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि अद्भुत संगठन शिल्पी, त्याग और सादगी की प्रतिमूर्ति श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी की स्मृति में छत्तीसगढ़ शासन ने पत्रकारिता और मीडिया शिक्षा पर केंद्रित इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। विगत 22 वर्षों में देश-प्रदेश के मीडिया संस्थानों और विविध क्षेत्रों में यहां से दीक्षित-प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं ने अपनी योग्यता और प्रतिभा के बलबूते पर अपनी प्रतिष्ठा अर्जित की और छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया। अध्ययन शाला और संबंद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कोर्स में छत्तीसगढ़ के सुदूर अंचल के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग सहित सभी वर्गों के विद्यार्थियों को न्युनतम शुल्क में बेहतरीन शिक्षा मिल रही है। कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों की नियमित समीक्षा प्रारंभ की है। शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी शोधकर्ताओं को समय सीमा में शोध कार्य के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

राघव चड्ढा और संदीप पाठक सहित 7 सांसदों ने जनता और लोकतंत्र के साथ किया विश्वासघात

रायपुर। आम आदमी पार्टी (आप) छत्तीसगढ़ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने कहा कि आप पार्टी सत्ता के ज्यादतियों के समक्ष मजबूती से खड़ी है, जनता के मुद्दों पर निर्णायक संघर्ष कर रही है और देश में ईमानदार राजनीति का मजबूत विकल्प बन चुकी है, ऐसे समय में कुछ नेताओं का भाजपा में जाना उनकी सत्ता लोलुपता को उजागर करता है। यह भाजपा द्वारा रचे गए व्यापक राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है, जिसके माध्यम से जनता और लोकतंत्र के साथ मजाक और विश्वासघात किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आम आदमी पार्टी ने पहचान, मान,सम्मान और नेतृत्व का अवसर दिया, वे संघर्ष के समय पार्टी और जनता के साथ निर्भिकता के खड़े होने के बजाय सत्ता की शरण में चले गए। जिस हिसाब से सांसदों ने पलायन किया है उससे जाहिर होता है कि उन्होंने जनता के विश्वास और लोकतंत्र की गरिमा का मजाक बना दिया है। जनता सब देख रही है और आने वाला समय आम आदमी पार्टी का ही है। जनता वह यह भी देख रही है कि कौन जनता के साथ खड़ा है और कौन जनहित के कठिन संघर्ष के समय भाग खड़ा हुआ। छत्तीसगढ़ में पार्टी के शीर्ष नेता ने कहा कि आप पार्टी पूरी मजबूती से सत्ता समर्थित अन्याय, अहंकार और दमन के खिलाफ खड़ी है। और इन जनाधार विहीन लोगों के जाने से पार्टी को किसी प्रकार का कोई नुकसान नही होगा उल्टा कार्यकर्ताओ में गजब का उत्साह है इसलिए की ये कैडर के लोगो का सम्मान नही अपमान करते थे ।

'विलुप्ति के कगार पर पहुंचे काले हिरणों के पुनर्जीवन का आधार बना बारनवापारा अभ्यारण'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में किया उल्लेख

रायपुर। यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के प्रसारण में छत्तीसगढ़ के काले हिरण के संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए सराहना की। इसने न केवल छत्तीसगढ़ की पहचान को सुदृढ़ किया है, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे लोगों का मनोबल भी बढ़ाया है। इस उल्लेख से राज्य की पर्यावरणीय पहल राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से सामने आई हैं और बारनवापारा अभयारण्य को नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में 'मन की बात' कार्यक्रम की 133वी कड़ी के श्रवण के बाद यह बात कही।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित, लगभग 245 वर्ग किलोमीटर में फैला बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य वन्यजीव संरक्षण की एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में उभरा है।

एक समय ऐसा था जब यह अभयारण्य अपने प्रमुख वन्यजीव - काले हिरण - से लगभग खाली हो चुका था। लेकिन अब यही क्षेत्र करीब 200 काले हिरणों (ब्लैकबक) का सुरक्षित आवास बन गया है। यह उपलब्धि योजनाबद्ध प्रयास, वैज्ञानिक प्रबंधन और निरंतर निगरानी का परिणाम है। बारनवापारा के खुले घास के मैदानों में काले हिरणों की सक्रिय मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि लंबे समय बाद भी किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक परिवेश में पुर्नस्थापित किया जा सकता है। जो क्षेत्र कभी सूना हो गया था, वह अब पुनर्जीवन की एक सशक्त कहानी प्रस्तुत कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में इस उपलब्धि तक पहुंचने की प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है। 1970 के दशक के बाद अतिक्रमण और प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण काले हिरण इस क्षेत्र से लगभग समाप्त हो गए थे और करीब पांच दशकों तक यहां स्थानीय रूप से विलुप्त रहे।

अप्रैल 2018 में आयोजित राज्य वन्यजीव बोर्ड की नौवीं बैठक में पुनर्स्थापन योजना को स्वीकृति मिलने के बाद स्थिति में बदलाव आया। इसके बाद एक सुविचारित योजना के तहत काले हिरणों को फिर से बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप उनकी संख्या बढ़कर लगभग 200 तक पहुंची और इस सफलता को रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी उल्लेखित किया गया।

संरक्षण के शुरुआती चरण में कई चुनौतियां सामने आईं। वन अधिकारियों के अनुसार, निमोनिया के कारण लगभग आठ काले हिरणों की मृत्यु हुई, जिसके बाद प्रबंधन प्रणाली में सुधार किए गए। बाड़ों में मजबूत सतह के लिए रेत की परत बिछाई गई, जलभराव रोकने के लिए उचित निकासी व्यवस्था विकसित की गई, अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाया गया और एक समर्पित पशु चिकित्सक की नियुक्ति की गई।

जोजिला में हिमस्खलन के बाद श्रीनगर-लेह हाईवे बंद, तीन ड्राइवर रेस्क्यू

श्रीनगर। श्रीनगर-लेह हाईवे पर लद्दाख के जोजिला दर्रे में हिमस्खलन के बाद वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि जोजिला में हिमस्खलन के बाद फंसे तीन ड्राइवरों को सुरक्षित बचा लिया गया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को भी निकालकर फिर से सड़क पर लाया गया है।

रविवार को द्रास सेक्टर के शैतानी नाला के पास हिमस्खलन हुआ। इस दौरान सोनमर्ग से कारगिल की ओर जा रहे दो टैंकर समेत कई वाहन इसकी चपेट में आ गए और सड़क से नीचे चले गए।

अधिकारियों ने बताया कि यूटीडीआरएफ कारगिल, द्रास पुलिस स्टेशन और स्थानीय स्वयंसेवकों की टीमों ने राहत अभियान चलाया और ड्राइवरों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में प्रभावित वाहनों को भी बर्फ से बाहर निकाल लिया गया है।

फिलहाल, श्रीनगर-लेह हाईवे बंद है और सड़क को फिर से चालू करने के लिए बर्फ हटाने का काम जारी है। इस समय यह रास्ता बर्फबारी और हिमस्खलन के खतरे के कारण काफी संवेदनशील बना हुआ है। गौरतलब है कि 27 मार्च को भी जोजिला दर्रे में एक अन्य हिमस्खलन में 6 लोगों की मौत हो गई थी और 5 अन्य घायल हुए थे।

श्रीनगर-लेह हाईवे पर जोजिला दर्रा सबसे खतरनाक हिस्सों में से एक माना जाता है। पिछले 70 वर्षों में इस रास्ते पर कई हादसे हुए हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

इस हाईवे को हर मौसम में चालू रखने और जोजिला दर्रे को बायपास करने के लिए यहां एक सुरंग (टनल) का निर्माण किया जा रहा है। जोजिला टनल, जोजिला दर्रे के नीचे बन रही एक सुरंग है, जो जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग को लद्दाख के कारगिल जिले के द्रास से जोड़ेगी।

यह सुरंग 9.5 मीटर चौड़ी, 7.57 मीटर ऊंची और 14.2 किलोमीटर लंबी होगी। यह घोड़े की नाल के आकार की सिंगल-ट्यूब, दो-लेन सड़क सुरंग होगी, जो समुद्र तल से करीब 12,000 फीट की ऊंचाई पर बनाई जा रही है।

दिल्ली विधानसभा का अगला सत्र 28 अप्रैल से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू होगा

नई दिल्ली। हाल ही में मिली बम धमकियों के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में पुराने सचिवालय स्थित विधानसभा भवन में आठवीं दिल्ली विधानसभा का पांचवां सत्र मंगलवार को सुबह 11 बजे से शुरू होगा। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 13 अप्रैल को विधानसभा को मिली झूठी बम धमकी के मद्देनजर, सुरक्षा एजेंसियों ने मीडियाकर्मियों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें भवन के गलियारों में विधायकों से बातचीत पर रोक लगाई गई है।

पत्रकारों को विधायकों और मंत्रियों का साक्षात्कार केवल विधानसभा भवन के प्रांगण में खुले क्षेत्र में ही करने की अनुमति दी गई है। विधानसभा सचिवालय ने एक बयान में कहा कि मीडियाकर्मियों को विधानसभा भवन के आसपास के गलियारों में मंत्रियों/विधायकों से बातचीत करने से सख्ती से परहेज करने की सलाह दी जाती है। वे भवन के बाहर विधानसभा परिसर के खुले क्षेत्र में मंत्रियों/विधायकों से बातचीत करने के लिए स्वतंत्र हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 13 अप्रैल को दिल्ली विधानसभा को ईमेल पर एक और बम की धमकी मिली, जिसके बाद अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा को इस मामले को स्थायी रूप से हल करने के लिए पत्र लिखा। इससे पहले भी इसी तरह की धमकियां मिली थीं, और यह ईमेल सुबह 11:12 बजे आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुआ था, जिसमें विधानसभा परिसर के अंदर विस्फोटकों के इस्तेमाल के बारे में चिंताजनक दावे किए गए थे। 25 मार्च को विधानसभा को एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया था कि विधानसभा परिसर में आरडीएक्स-आधारित 16 देसी बम (आईईडी) लगाए गए हैं और सदन की बैठक से ठीक पहले दोपहर 1:40 बजे इन्हें विस्फोट करने की योजना है। हालांकि, यह झूठी खबर निकली।

मैड्रिड ओपन : गॉफ ने रोमांचक मुकाबले में सिर्स्टिया को हराकर चौथे राउंड में बनाई जगह

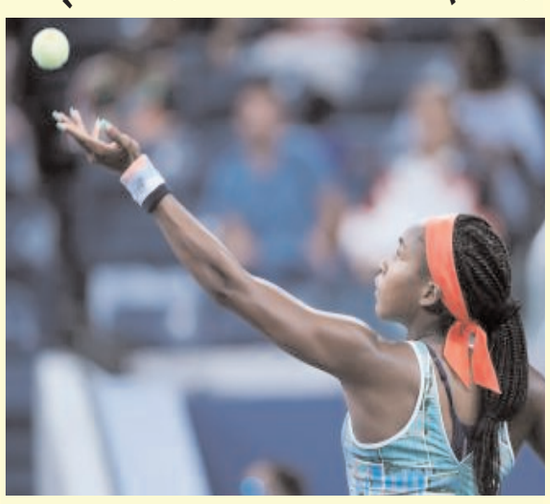

मैड्रिड। वर्ल्ड नंबर-3 खिलाड़ी कोको गॉफ ने रविवार को सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। 22 वर्षीय अमेरिकी स्टार पिछले साल इस टूर्नामेंट की उपविजेता रही थीं, उन्होंने एक सेट और ब्रेक से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए 4-6, 7-5, 6-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। यह मुकाबला उनकी शारीरिक क्षमता और मानसिक मजबूती दोनों की बड़ी परीक्षा साबित हुआ।

संभवत: अपने करियर के अंतिम सीजन में खेल रहीं 25वीं वरीयता प्राप्त सिर्स्टिया ने आत्मविश्वास से शुरुआत की। उन्होंने पहले सेट में जल्दी ब्रेक हासिल किया और गॉफ के 4-4 की बराबरी करने के बावजूद मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। इसके बाद रोमानियाई खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी सिर्स्टिया ने अपनी लय बरकरार रखी और 2-0 की शुरुआती बढ़त बना ली, और बाद में 4-3 से फिर आगे निकल गईं। हालांकि, गॉफ ने हार नहीं मानी। एक नाटकीय पल में, कोर्ट पर तबीयत खराब होने के कारण उन्हें मेडिकल मदद लेनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने खुद को संभाला, वापसी करते हुए सिर्स्टिया की सर्विस तोड़ी और सेट को बराबर कर दिया। गॉफ ने दबाव में भी संयम दिखाया। दूसरे सेट के आखिर में उन्होंने अपनी खेल की गति बढ़ाई और 12वें गेम में सिर्स्टिया की सर्विस तोड़कर मैच को निर्णायक तीसरे सेट तक पहुंचाया।

मैच की लय पूरी तरह अपने पक्ष में होने के कारण, गॉफ तीसरे सेट में पूरी तरह हावी रहीं। 1-1 से बराबरी पर आने के बाद, उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और 2 घंटे 21 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही सिर्स्टिया के खिलाफ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-0 हो गया है, और ये तीनों जीत तीन सेट के मुकाबलों में ही मिली हैं।

यह गॉफ की इस सीजन की 8वीं तीन-सेट जीत रही, जो करीबी मुकाबलों में शानदार तरीके से नतीजे अपने पक्ष में करने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। इसके साथ ही उन्होंने मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में चौथी बार जगह बनाई, जिसमें लगातार तीसरी बार इस चरण तक पहुंचना भी शामिल है।

अब क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए गॉफ का सामना 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा से होगा। चेक खिलाड़ी को लिउडमिला सैमसनोवा के बीमारी के कारण हटने से वॉकओवर मिला। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में गॉफ 2-0 से आगे हैं। उन्होंने नोस्कोवा को अपने पिछले दोनों मुकाबलों में हार्ड कोर्ट पर हराया है।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद इजरायल ने सोमालीलैंड में नियुक्त किया पहला राजदूत

यरुशलम/तेल अवीव। इजरायली कैबिनेट ने रविवार को माइकल लोटेम को सोमालीलैंड के लिए देश का पहला राजदूत नियुक्त करने को मंजूरी दे दी, जिससे हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र में नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो सकता है। इजरायली मीडिया आउटलेट जेएनएस ने इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्री गिदोन सार ने 15 अप्रैल को लोटेम के नाम की घोषणा की थी। लोटेम एक वरिष्ठ राजनयिक हैं और अगस्त 2025 तक केन्या, युगांडा, तंजानिया, मलावी और सेशेल्स में राजदूत के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे अजरबैजान और कजाकिस्तान में भी इजरायल का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह नियुक्ति फिलहाल 'नॉन-रेजिडेंट' (वहां निवास नहीं होगा) होगी और लोटेम यरुशलम में रहते हुए ही सोमालीलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंधों को संभालेंगे।

सोमालीलैंड, 1991 में सोमालिया से अलग हुआ और खुद को आजाद देश घोषित कर दिया था। इसे अब तक अधिकांश देशों ने मान्यता नहीं दी है। ऐसे में इजरायल का यह कदम क्षेत्रीय राजनीति में संवेदनशील माना जा रहा है।

सोमालिया ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। सोमालिया गार्डियन ने सोमालियाई विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा कि वह अपने क्षेत्र के किसी भी हिस्से को कूटनीतिक मान्यता देने की कोशिशों को 'सिरे से खारिज' करता है और ऐसे कदम क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं।

इस बीच, कई मुस्लिम बहुल देशों—जिनमें सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, बांग्लादेश, पाकिस्तान, और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं—ने भी संयुक्त बयान जारी कर इजरायल के इस कदम की निंदा की और इसे सोमालिया की संप्रभुता का 'स्पष्ट उल्लंघन' बताया। उल्लेखनीय है कि इजरायल ने 26 दिसंबर 2025 को सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने की घोषणा की थी।

इजरायल के नेशनल पब्लिक डिप्लोमेसी डायरेक्टरेट की प्रमुख बनीं जिपी होटोवेली

तेल अवीव। इजरायल में जिपी होटोवेली को नेशनल पब्लिक डिप्लोमेसी डायरेक्टरेट का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जिपी होटोवेली को डायरेक्टरेट का प्रमुख बनाने का फैसला लिया। होटोवेली की नियुक्ति को मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने लाया गया, जहां इजरायली सरकार ने एकमत से मंजूरी दे दी।

नेशनल पब्लिक डिप्लोमेसी डायरेक्टरेट का प्रमुख इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत काम करने वाली एक प्रमुख संस्था है। इस संस्था के ऊपर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल की छवि को बढ़ावा देने, मीडिया अभियानों का प्रबंधन करने और युद्ध या संकट के समय हसबारा (सार्वजनिक कूटनीति/जनसंपर्क) प्रयासों के समन्वय की जिम्मेदारी होती है।

प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने इस नियुक्ति का स्वागत किया और इस जरूरी भूमिका में जिपी की सफलता की कामना की। वह 5 मई, 2026 को इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी।

होटोवेली की शिक्षा की बात करें, तो उनके पास लॉ में बैचलर और मास्टर डिग्री दोनों हैं। इसके अलावा वह एक सर्टिफाइड वकील हैं। उन्होंने कई सीनियर पब्लिक सर्विस पदों पर काम किया है, जिनमें मिनिस्टर ऑफ सेटलमेंट, मिनिस्टर ऑफ डायस्पोरा अफेयर्स, उपविदेश मंत्री और ब्रिटेन में इजरायली राजदूत का पद शामिल है। अपनी अलग-अलग भूमिकाओं के दौरान, होटोवेली ने इजरायल की वैश्विक छवि को बढ़ावा देने के लिए बहुत काम किया है।

बिहार में शौच के लिए निकली ननद-भाभी के साथ गैंगरेप, दो आरोपी गिरफ्तार

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले में एक महिला और किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना में पुलिस ने दो आरोपियों के गिरफ्तार करने का दावा किया है।

दरअसल, यह पूरा मामला जादोपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। आरोप है कि छह युवकों ने मिलकर दो महिलाओं के साथ गैंगरेप किया, जो रिश्ते में ननद और भाभी हैं। बताया गया कि 22 अप्रैल को रात्रि में ये दोनों घर से शौच के लिए बाहर निकली थीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने दोनों का अपहरण कर लिया और फिर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

घटना के बाद पीड़ितों ने 25 अप्रैल को स्थानीय थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। इस पर तुरंत एक्शन लेते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, अभी भी इस मामले में अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इस घटना की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-एक एवं थानाध्यक्ष जादोपुर द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया तथा घटनास्थल से साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल टीम बुलाई गई।

घटनास्थल से एफएसएल टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए तथा किशारी एवं महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेजा गया।

हरदोई में कंटेनर ट्रक भीड़ में जा घुसा, महिला की मौत, 11 घायल

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में रविवार को एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर भीड़ में जा घुसा। लोनार थाना क्षेत्र के जगदीशपुर चौराहे पर हुए इस हादसे में एक अज्ञात महिला की मौत हो गई, जबकि करीब 15 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से 11 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, ट्रक काफी तेज रफ्तार में था और चालक नशे की हालत में लग रहा था। बताया जा रहा है कि उसने पहले सड़क किनारे खड़े ठेलों और दुकानों को टक्कर मारी, उसके बाद ऑटो और बाइक को भी रौंद दिया। देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही बावन चौकी प्रभारी वरुण शुक्ला पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को नजदीकी बावन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में कई लोग जैसे रमेश (50), पवन कुमार (25), रुचि (25), मुकेश (30), पिंटू (25), खुशीराम (35), नरेश (33), हरिश्चंद्र (35), महेंद्र (45), राहुल (30) और एक 11 साल का बच्चा प्रियांशु भी शामिल है।

हरपालपुर सीओ सतेंद्र कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब 11 बजे की है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कंटेनर चालक की लापरवाही और नशे की हालत इस हादसे की मुख्य वजह हो सकती है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फिलहाल पुलिस ने मामले में तहरीर के आधार पर केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जम्मू-कश्मीर को शैक्षणिक केंद्र बनाने के लिए संस्थानों को उच्च शिक्षा में निवेश का आमंत्रण : सीएम उमर अब्दुल्ला

जम्मू। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को बेंगलुरु में शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में अधिसूचित जम्मू और कश्मीर निजी विश्वविद्यालय अधिनियम से पैदा हुए अवसरों पर प्रकाश डाला।

इस बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, जदीबल के विधायक तनवीर सादिक, वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षा क्षेत्र के कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संस्थानों को उच्च शिक्षा क्षेत्र में निवेश करने और जम्मू और कश्मीर को एक जीवंत शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया।

जम्मू और कश्मीर निजी विश्वविद्यालय विधेयक, 2026, केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा द्वारा हाल ही में हुए बजट सत्र के दौरान पारित किया गया था। दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर, इस कानून की जम्मू और कश्मीर में उच्च शिक्षा के इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में व्यापक रूप से सराहना की गई। इस विधेयक को तब से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मंजूरी मिल गई है, और यह अब एक अधिनियम बन गया है।

नए ढांचे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए जम्मू और कश्मीर में अपने परिसर स्थापित करने के पर्याप्त अवसर खोलता है, जिससे एक आधुनिक, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलता है। शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण निवेश को सुगम बनाने के प्रति जम्मू और कश्मीर सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने अग्रणी संस्थानों को इस क्षेत्र के शैक्षणिक भविष्य को आकार देने में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया।

'मन की बात' में यूरोपियन मैथ ओलंपियाड गोल्ड मेडलिस्ट श्रेया का जिक्र, छात्रा और परिवार ने पीएम मोदी का जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में गोल्ड मेडल विजेता वाली छात्रा श्रेया मुंद्रा की जीत का जिक्र किया। इसके लिए छात्रा और उनके पिता ने पीएम मोदी का धन्?यवाद किया।

श्रेया मुंद्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से ??बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रतियोगिता की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया है। जब दूसरे छात्रों को इसके बारे में पता चलेगा तो हो सकता है कि वे भी गणित में दिलचस्पी लेने लगें।

उन्होंने कहा कि न तो मैंने और न ही मेरे परिवार ने कभी सोचा था कि मैं इसमें गोल्ड मेडल जीत पाऊंगी। मुंद्रा ने सरकार की मदद से मिली उस ट्रेनिंग के लिए भी शुक्रिया अदा किया, जो उन्हें होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई) से मिली थी।

उन्होंने प्रतियोगिता के अलग-अलग चरणों के बारे में बताते हुए कहा कि कम्प्यूटेशनल राउंड के दौरान हमें आईओक?यूएम के हिस्से के तौर पर तीन घंटे में 30 सवाल हल करने होते हैं। इसके लिए हर राज्य से लगभग 250 उम्मीदवारों को चुना जाता है।

उन्होंने कहा कि अगले चरण में जिसे रीजनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड (आरएमओ) कहा जाता है, हर राज्य से लगभग 35 छात्रों को चुना जाता है। यहां छह सवाल होते हैं जिन्हें तीन घंटे में पूरा करना होता है।

मुंद्रा ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के लिए हमें क्षेत्रीय स्तर पर ट्रेनिंग दी जाती है, जो मेरे लिए बहुत मददगार रही है। यहां कई ट्रेनिंग कैंप होते हैं और शिक्षक हमारा सहयोग करते हैं।

संपादकीय

ममता बनर्जी का अदालतों से फटकार खाने का रिकार्ड

योगेंद्र योगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने एक अनूठा रिकार्ड बनाया है। यह रिकार्ड है, अदालतों से फटकार खाने का। देश में शायद ही किसी राज्य की ऐसी सरकार होगी, जिसने अदालतों से ममता सरकार की जितनी डांट खाई होगी। आश्चर्य की बात यह है कि दर्जनों मामलों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से लताड़ खाने के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तेवरों में कोई अंतर नहीं आया है। देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से टकराने का ममता का रवैया ऐसा है मानों पश्चिम बंगाल भारत का नहीं बल्कि पाकिस्तान का हिस्सा हो।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में उपद्रवियों द्वारा तीन महिलाएं सहित सात न्यायिक अधिकारियों को अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि यह घटना न केवल न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने का एक घिनौना प्रयास है, बल्कि यह इस न्यायालय के अधिकार को भी चुनौती देती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, मालदा जिला मजिस्ट्रेट और एसएसपी को कारण बताने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले की सीबीआई/एनआईए जांच का आदेश दिया। आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री ममता ने अफसरों की गलती नही मानने के बजाए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए आरोपों का सारा ठीकरा चुनाव आयोग के सिर फोड़ने का प्रयास किया। इससे पहले बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की आपत्तियों पर फटकार लगाई थी।

केंद्र की भाजपा सरकार किसी सरकारी योजना का चुनावी फायदा नही उठा ले, इसी मंशा से ममता सरकार ने कोलकाता मेट्रो प्रोजेक्ट में रोड़े अटकाने में कसर बाकी नहीं रखी, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट की झाड़ खाने के बाद ममता सरकार परियोजना से बाधाओं को हटाने के लिए मजबूर हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 मार्च को कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना के एक गलियारे के निर्माण में रोड़े अटकाने को लेकर ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने बंगाल सरकार की याचिका खारिज करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट को परियोजना की निगरानी करने का निर्देश दिया था। पीठ ने यह भी कहा, हाई कोर्ट ने राज्य सरकार प्रति काफी उदारता दिखाई है। शीर्ष अदालत ने गहरी नाराजगी जताते हुए यहां तक कह दिया कि यह ऐसा मामला था, जिसमें आपके मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमाम संवैधानिक हदें लांघते हुए ऐसा काम किया, जिसे आजाद भारत के इतिहास में कोई मुख्यमंत्री करने का दुस्साहस नहीं कर सका। ईडी ने राजनीतिक रणनीति बनाने वाली मशहूर फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बीच में ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां मौजूद एक फाइल अपने साथ ले गईं। इस मुद्दे ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कहा कि किसी मुख्यमंत्री को जबरन उस जगह में घुसते देखना सुखद नहीं है, जहां केंद्रीय जांच एजेंसी जांच कर रही है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की जांच में दखल नहीं दिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि जब राज्य सरकार को सिलेक्शन में गड़बड़ी का पता चल चुका था, तो शिक्षकों की अतिरिक्त पद पर नियुक्ति क्यों की गई। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की पीठ ने बंगाल सरकार से पूछा-अतिरिक्त पद बनाने का उद्देश्य क्या था। गड़बड़ी का पता लगने के बावजूद आपने दागी उम्मीदवारों को बाहर क्यों नहीं किया। दाल में कुछ काला है या सब कुछ काला है। पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग में शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। पेशे से मॉडल अर्पिता के घर से 49 करोड़ कैश और करोड़ों की ज्वेलरी मिली थी।

साल 2024 में संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है।

लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

महेन्द्र तिवारी

राघव चड्ढा का हालिया राजनीतिक निर्णय केवल संसदीय गलियारों या राजनीतिक दलों के बीच की एक साधारण घटना नहीं है बल्कि इसने अंतर्जाल की आभासी दुनिया में भी अत्यंत गहरा और अभूतपूर्व प्रभाव छोड़ा है। आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में उनका सम्मिलित होना एक सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम की तरह प्रतीत हो सकता था परंतु कुछ ही घंटों के भीतर इसने सामाजिक संवाद के माध्यमों पर एक बड़े वैचारिक और संख्यात्मक बदलाव को जन्म दे दिया। विशेष रूप से छायाचित्र साझा करने वाले प्रमुख वैश्विक मंच पर उनके अनुगामियों की संख्या में आई आकस्मिक गिरावट ने इस तथ्य को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान समय में राजनीति केवल विचारधारा या चुनावी कूटनीति तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह सीधे तौर पर जनता की संवेदनाओं और उनकी तत्काल आभासी प्रतिक्रियाओं से जुड़ गई है। उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि जिस दिन उन्होंने अपने राजनीतिक दल के परिवर्तन की सार्वजनिक घोषणा की थी उस समय उनके व्यक्तिगत खाते पर लगभग 14.6 मिलियन अनुगामी उपस्थित थे। इस घोषणा के मात्र 24 घंटे के भीतर यह संख्या तीव्रता से घटकर लगभग 13.3 मिलियन से 13.5 मिलियन के मध्य पहुँच गई। इसका प्रत्यक्ष अर्थ यह है कि लगभग 10 लाख से 11 लाख लोगों ने अत्यंत अल्प समय में उन्हें अननुगामित कर दिया। आंकड़ों में आई यह भारी गिरावट केवल गणितीय अंकों का खेल नहीं है बल्कि यह उस तीव्र भावनात्मक प्रतिक्रिया और रोष को दर्शाती है जो उनके समर्थकों के मध्य उत्पन्न हुई।

यह घटना इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि राघव चड्ढा की छवि लंबे समय से एक ऐसे युवा राजनेता की रही है जो पारंपरिक और रूढ़िवादी राजनीति की परिधि से बाहर दिखाई देते थे। उनकी पहचान केवल एक सांसद के रूप में स्थापित नहीं थी बल्कि वे एक ऐसे सार्वजनिक चेहरे के रूप में उभरे थे जिसने निरंतर युवाओं के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया। उन्होंने अस्थायी सेवा कर्मियों, वितरण कर्मचारियों, पितृत्व अवकाश और तीव्र वितरण सेवाओं जैसे समकालीन विषयों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का सफल प्रयास किया था। यही प्रमुख कारण था कि उनके अनुगामियों में बहुत बड़ी संख्या उस युवा वर्ग की थी जिसे प्राय: नई पीढ़ी या आधुनिक युग की संतति कहा जाता है। परंतु जैसे ही उन्होंने अपनी राजनीतिक दिशा और निष्ठा को बदलने का निर्णय लिया उसी वर्ग की प्रतिक्रिया सबसे अधिक प्रखर और तीखी दिखाई दी। सामाजिक संवाद के मंचों पर अचानक एक संगठित अननुगामी अभियान प्रारंभ हो गया जिसमें सहस्त्रों नहीं अपितु लाखों लोगों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी दर्ज की। इस अभियान ने वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध कर दिया कि आभासी मंचों पर मिलने वाला जनसमर्थन अत्यंत अस्थिर हो सकता है और वह क्षण भर में विपरीत दिशा में मुड़ सकता है। जो लोग पूर्व में उनके समर्थन में सक्रिय थे वही लोग कुछ ही घंटों के भीतर उनके विरोध में खड़े दिखाई देने लगे।

इस संपूर्ण घटनाक्रम को गहराई से समझने हेतु यह देखना अनिवार्य है कि सामाजिक संवाद के ये आधुनिक माध्यम आज केवल मनोरंजन या सूचना के स्रोत नहीं रह गए हैं। ये अब एक प्रकार के तत्काल जनमत संग्रह के केंद्र बन चुके हैं जहाँ साधारण जन अपनी राय को तुरंत और प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। पूर्व के समय में जहाँ किसी राजनेता की लोकप्रियता का आकलन केवल चुनाव परिणामों, जनसभाओं की भीड़ या मतपेटियों से किया जाता था वहीं अब अनुगामियों की संख्या और उन पर प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाएं भी लोकप्रियता का एक अपरिहार्य मापदंड बन गई हैं। राघव चड्ढा के प्रकरण में यह विषय भी चर्चा का केंद्र बना कि उनके पुराने आभासी संदेशों और लेखों में कुछ संपादन या परिवर्तन किए गए। कुछ समाचार रिपोर्टों में यह तथ्य उभरकर सामने आया कि उन्होंने अपने आधिकारिक खातों से पूर्व में किए गए आलोचनात्मक लेखों को या तो पूरी तरह हटा दिया या उनकी संख्या कम कर दी। इस गतिविधि से जनमानस में यह धारणा सुदृढ़ हुई कि उनकी आभासी छवि को नए राजनीतिक वातावरण और नई पार्टी की नीतियों के अनुरूप ढाला जा रहा है। इस प्रकार की गतिविधियों ने आलोचना की अग्नि में घी डालने का कार्य किया क्योंकि उनके राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों ने इसे एक शुद्ध अवसरवादी कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और उल्लेखनीय पक्ष यह है कि यह प्रतिक्रिया केवल सामान्य उपयोगकर्ताओं तक ही सीमित नहीं रही बल्कि कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और सार्वजनिक जीवन के प्रभावशाली लोगों ने भी उन्हें अननुगामित करने का निर्णय लिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह आक्रोश केवल व्यक्तिगत या भावनात्मक स्तर पर नहीं था बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और बौद्धिक प्रतिक्रिया थी जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग सम्मिलित थे। राजनीति के विशेषज्ञों का यह तर्क है कि इस घटना के पीछे केवल एक दल बदलने का निर्णय नहीं है बल्कि उस निर्णय से जुड़ी जन-अपेक्षाएं और विश्वास का भंग होना सम्मिलित है। जब कोई राजनेता अपनी विशिष्ट पहचान एक विशेष विचारधारा या नैतिकता के आधार पर निर्मित करता है तो उसके समर्थक उसी वैचारिक धरातल पर उससे जुड़ते हैं। यदि वह राजनेता अचानक उस दिशा से पूर्णत: विपरीत कोई कदम उठाता है तो उन समर्थकों के लिए इस आकस्मिक बदलाव को स्वीकार करना और उसके साथ समन्वय बिठाना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह स्थिति विश्वास के संकट को जन्म देती है जिसका परिणाम हम आंकड़ों की गिरावट के रूप में देखते हैं।

इस घटना ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि आभासी समर्थन कभी भी स्थायी संपत्ति नहीं होता। यह निरंतर बदलती परिस्थितियों और राजनेता के व्यवहार के अनुसार परिवर्तित होता रहता है। किसी नेता के पास लाखों की संख्या में अनुगामी होना उसकी चिरस्थायी लोकप्रियता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह केवल उस विशिष्ट समय की मनोदशा को प्रतिबिंबित करता है। जैसे ही परिस्थितियां बदलती हैं या नेता के आचरण में विरोधाभास दिखाई देता है वैसे ही यह समर्थन रेत के महल की भांति ढह सकता है। इसके साथ ही यह गंभीर प्रश्न भी उपस्थित होता है कि क्या आभासी दुनिया में आई इस गिरावट का वास्तविक धरातल की राजनीति पर कोई निर्णायक प्रभाव पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास के पन्ने यह बताते हैं कि सामाजिक मंचों की प्रतिक्रिया और वास्तविक चुनावी परिणाम सदैव एक समान नहीं होते। कई बार आभासी मंचों पर प्रचंड विरोध दिखाई देता है परंतु जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव बहुत सीमित रहता है। इसलिए वर्तमान में यह कहना समय पूर्व होगा कि इस घटना से उनके दीर्घकालिक राजनीतिक भविष्य पर क्या और कितना प्रभाव पड़ेगा।

तथापि यह स्वीकार करना भी अनिवार्य है कि इस संपूर्ण प्रकरण ने उनकी सार्वजनिक छवि को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। किसी भी सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति विशेषकर एक राजनेता के लिए जनता का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी और वास्तविक पूंजी होती है। जब उस विश्वास की नींव पर ही प्रश्नचिह्न अंकित होने लगें तो उसे पुन: स्थापित करना कोई सरल कार्य नहीं होता। इसके लिए केवल सुंदर वक्तव्य या विज्ञापन के माध्यम से किया गया प्रचार पर्याप्त नहीं होता बल्कि इसके लिए निरंतर कार्य, नैतिक स्पष्टता और एक पारदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इस पूरे मामले में एक और रोचक पक्ष यह है कि अंतर्जाल की गति और उसके व्यापक प्रभाव ने राजनीति के व्याकरण को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। पहले के युग में जहाँ किसी भी राजनीतिक निर्णय के प्रभाव को समझने और मापने में महीनों या वर्षों का समय लग जाता था वहीं अब मात्र कुछ ही घंटों में उस निर्णय की व्यापक प्रतिक्रिया जनता के सामने आ जाती है। यह परिवर्तन आधुनिक नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती भी है और एक अवसर भी। यदि वे सही और ईमानदार तरीके से इन माध्यमों का उपयोग करें तो वे सीधे जनता से संवाद स्थापित कर सकते हैं और अपनी नीतियों को स्पष्ट कर सकते हैं। परंतु यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं या उनके कार्यों में कथनी और करनी का अंतर दिखता है तो यही माध्यम उनके विरुद्ध एक शक्तिशाली शस्त्र के रूप में भी कार्य कर सकता है। राघव चड्ढा के मामले में यह दूसरी स्थिति अधिक प्रबलता से दिखाई देती है जहाँ उनकी वर्षों में निर्मित आभासी छवि अचानक एक बड़ी चुनौती के घेरे में आ गई है।

यह संपूर्ण घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की कथा नहीं है बल्कि यह आधुनिक राजनीति के परिवर्तित होते हुए व्याकरण का एक सटीक उदाहरण है। यह इस तथ्य को रेखांकित करती है कि आज का मतदाता और नागरिक केवल मतदान दिवस पर ही सक्रिय नहीं होता बल्कि वह राजनेता के प्रत्येक निर्णय और गतिविधि पर सूक्ष्म दृष्टि रखता है और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देता है। अंतत: यह कहा जा सकता है कि राघव चड्ढा के अनुगामियों में आई यह भारी कमी एक प्रतीक के रूप में कार्य करती है जो हमें यह चेतावनी देती है कि इस तीव्र गति वाले युग में राजनीति कितनी चंचल और अनिश्चित हो गई है। यह घटना राजनेताओं के लिए एक सबक भी है कि लोकप्रियता प्राप्त करना जितना कठिन है ।

संगीत, शांति निर्माण और एक साझा दक्षिण एशियाई क्षण

अम्मू जोसेफ

टैंक आगे बढ़ें या पीछे हटें,
धरती की कोख बंजर हो जाती है;
जीत का जश्न हो या हार का शोक,
जिंदगी लाशों पर रोती है।
(चाहे टैंक आगे बढ़ें या पीछे हटें,
धरती की कोख सूनी हो जाती है;
चाहे जीत का उत्सव हो या हार का मातम,
जिंदगी मृतकों पर विलाप करती है।)
– साहिर लुधियानवी, 'ऐ शरीफ इंसानों' (1965)

'इश्क, सियासत और अवाम: शांति क्यों मायने रखती है' शीर्षक से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, जो पाकिस्तान-इंडिया पीपुल्स फोरम फॉर पीस एंड डेमोक्रेसी की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर नई दिल्ली में हुआ, ने उपमहाद्वीप के प्रसिद्ध कवियों साहिर लुधियानवी, फैज़ अहमद फैज़ और अवतार सिंह संधू (पाश) के जीवन और कार्य को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने हमेशा शांति, समानता और न्याय के महत्व पर लिखा।

इसी बीच, 12 अप्रैल को बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम ने श्रीलंका और भारत के वरिष्ठ नागरिकों को एक अलग लेकिन संभवत: संबंधित तरीके से एक साथ लाया—संगीत के माध्यम से।

बेंगलुरु के 'सिल्वर सॉन्गबर्ड्स' दक्षिण एशियन सिम्फनी फाउंडेशन की एक पहल है, जिसकी शुरुआत 2018 में सेवानिवृत्त भारतीय राजनयिक निरुपमा मेनन राव ने की थी, जो

स्वयं एक प्रसिद्ध गायिका हैं, अपने सेवानिवृत्त नौकरशाह पति सुधाकर राव के साथ।

इस कोयर के लिए प्रेरणा उन्हें 'सोल साउंड्स एकेडमी कम्युनिटी कोयर' से मिली, जिसकी शुरुआत एक वर्ष से थोड़ा अधिक पहले कोलंबो में श्रीलंकाई संगीतकार साउंडरी डेविड रोड्रिगो ने की थी, जिन्हें वह कई वर्षों से जानती हैं।

जनवरी 2026 की शुरुआत में निरुपमा राव द्वारा फेसबुक पर डाले गए एक पोस्ट—जिसमें नए कोयर के गठन की घोषणा की गई और इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों (50 वर्ष और उससे अधिक) को जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया—ने बेंगलुरु में काफी रुचि पैदा की।

जनवरी के मध्य में आयोजित पहले दो उत्साहजनक और प्रेरणादायक सत्रों का नेतृत्व साउंडरी रोड्रिगो ने किया, जो विशेष रूप से इस उद्देश्य से समुद्र पार कर आई थीं।

बाद में, शहर की संगीतकार जुआनिता जयंती ने सत्रों का संचालन किया, जबकि रोड्रिगो समय-समय पर आती रहीं। जल्द ही इस कोयर का नाम 'सिल्वर सॉन्गबर्ड्स ऑफ बेंगलुरु' रखा गया।

ऐतिहासिक संबंध

मार्च में, सॉन्गबर्ड्स के कुछ सदस्य कोलंबो गए, जहां उन्होंने 'सोल साउंड्स एकेडमी कम्युनिटी कोयर' के साथ मिलकर 'वन हार्ट, वन वॉयस' कार्यक्रम में भाग लिया, जो लंका अल्जाइमर फाउंडेशन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। एक स्थानीय अखबार के अनुसार, यह कार्यक्रम 'सिर्फ संगीत ही नहीं, बल्कि संगीत और मानव स्मृति के बीच गहरे और वैज्ञानिक रूप से मान्यता प्राप्त संबंध का उत्सव' था, और यह भी याद दिलाता था कि 'उम्र संगीत की क्षमता को कम नहीं करती, बल्कि उसे और समृद्ध बनाती है।

जब अप्रैल में 'सिल्वर सॉन्गबर्ड्स' का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ, तो कोलंबो स्थित कोयर के आठ सदस्य इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बेंगलुरु आए और श्रीलंकाई नववर्ष से पहले विशेष व्यंजन भी साथ लाए।

बोध कथा

भगवान का साथ-ऐसी मृत्यु हर एक की हो

एक लडक़ी चर्च में जाती है और फादर से कहती है मेरे पिताजी बहुत बीमार हैं, किसी भी वक्त मौत हो सकती है, क्या आप मेरे घर आ सकते हो? फादर कहते हैं हां, क्यों नहीं मैं आता हूं। जब फादर घर पहुंचते हैं, तो वहां एक बुजुर्ग व्यक्ति बिस्तर पर लेटा मिलता है और सामने एक खाली चेयर रखी होती है। पादरी को लगता है शायद मेरे लिए चेयर रखी है, तो वह पूछता है कि आपको पता था मैं आने वाला हूं। बुजुर्ग ने कहा मुझे तो पता ही नहीं कि आप आने वाले हो। अच्छा! तो चेयर क्यों रखी हुई है? बुजुर्ग बोला- आप बैठो, मैं एक राज की बात बताता हूं। ये चेयर वाली बात मैंने अपनी बेटी को भी नहीं बताई। मैं रोज चर्च जाता और प्रार्थना करता था लेकिन मन नहीं लगता था केवल एक दिखावा था, एक ढोंग था। अंदर से एक खालीपन था। एक बार अपने मित्र से मैंने कहा कि मैं भगवान से तो बहुत दूर हूं। केवल दिखावा मात्र है, मैं क्या करूं? तो मित्र ने कहा तुम अपने बिस्तर के सामने एक खाली चेयर रख दो और सोचो कि यह भगवान बैठा हुआ है। उससे अपने दिल की सारी बातें बताओ, तबसे मैंने ये काम चालू किया रोज दो-तीन घंटा मैं खाली चेयर रखता हूं, सोचता हूं कि भगवान है, इससे मैं बात करते रहता हूं। तब से मेरा जीवन बहुत खुशमय हो गया है। इस घटना के बाद एक दिन वह लडक़ी फादर से फिर से मिलती है। फादर उससे पूछते हैं पिता जी कैसे हैं? वो कहती है पिताजी ने कल रात को ही शरीर छोड़ दिया। फादर पूछते हैं उनकी मृत्यु कैसे हुई और मन की स्थिति कैसी थी। उसने कहा कि पिताजी जब गुजर रहे थे तो उन्होंने मुझे बुलाया, गले लगाया और खाली चेयर के पास जाकर उस पर माथा रख दिया। बस वहीं शरीर छोड़ दिया, आत्मा निकल गई। यह सुनते ही फादर मन ही मन कहते हैं कि ऐसी मृत्यु हर एक की हो।

व्यंग्य केसरी

क्यों कि तुम समझदार हो

संगीता दरक माहेश्वरी

बचपन से लेकर आज तक समझदारी मेरे पीछे पड़ी है .बचपन में कोई काम भाई-बहन नहीं करते है तो मुझे कहा जाता तू कर ले, तू भी क्या इनके जैसे बन रही हैं, तू तो समझदारी रख.रख ली साहब, समझदारी. बस फिर क्या, समझदारी तो हमारे साथ ही चिपक गई ।पढ़ाई में कॉपी,बैग,टिफिन की बात आती है तो, अरे तू तो कोई-सा भी रख ले रंग से थोड़ी कुछ होता है पढ़ना पड़ता है टिफिन कोई से भी रंग का हो खाना तो खाना ही रहेगा । देख बेग भी पहले छोटी या छोटे को पसंद करने दे तू तो समझदार है, और वैसे भी बेग के रंग से क्या हो जाएगा।

कहीं आना-जाना हो या ध्यान रखने की बात हो तो उनके साथ उनके जैसी मत हो जाना, समझदारी रखना सब तेरे भरोसे हैं । समझदारी का कद भी मेरे साथ बढ़ने लगा,

और धीरे -धीरे यह समझदारी भी मेरे साथ बड़ी हो गई, अब बड़े-बड़े कामों में समझदारी रखना है अब रिश्ते बढ़ने लगे है तो साथ में समझदारी भी ।

रिश्तों में कुछ हो तो अरे तू तो सब्र रख तू क्या सामने वाले जैसी हो रही है किसी एक को तो समझदारी से काम लेना पड़ेगा,

सब एक जैसे हो जाओगे तो कैसे काम चलेगा।

अरे, सब कहते हैं देखो फलाने की बहू,बेटी,पत्नी कितनी समझदार है कितनी समझदारी से काम लेती है। कोई जाकर पूछे या बतलाए कि और जिसकी समझदारी की तारीफ हो रही उसकी समझदारी सच में परिस्थितियों के अनुरूप है या बस दिखावा मात्र मन तो करता है कि पूछ लूँ कि समझदारी की भी क्या मात्रा या क्वांटिटी होती है जो कहते है थोड़ी तो समझदारी रख ।

अरे हाँ, ज्यादा समझदार तो बनना ही नहीं वर्ना कहेंगे कि ज्यादा समझदार बन रही है बहुत बड़ी हो गई है क्या?

तो समझदारी का एक नपा तुला नाप होता है बस यही ध्यान रखना है वरना फिर सुनने को मिलेगा तुम तो समझदार हो .अरे, बात इतनी बढ़ गई, माना वो गुस्से में था या थी लेकिन तुम ऐसा कैसे कर सकती हो अरे मैं तुमको तो समझदार समझती थी लेकिन तुम, तुमसे यह उम्मीद नहीं थी। रिश्ते बिखर रहे हो तो अरे तुम समझदार हो इसलिए तुम एडजस्ट कर लो तुम समझ लो अरे समझदारी में तुम बड़े बन जाओ।जीवन समझदारी से चलता है इतने पर भी यूँ कहते है कि थोड़ी समझदारी रख लो, पता है समझदार कॉमन है मतलब समझदारी का ठेका महिलाओं का नहीं है क्योंकि (समझदार और समझदारी) तुम समझदार हो यह स्त्रीलिंग और पुल्लिंग दोनों पर लागू होता है समझदारी से काम लो यह भी स्त्रीलिंग और पुल्लिंग दोनो है. खैर समझदारी से एक बात जरूर कहूँगी...' प्रभु, बस अगले जनम मोहे समझदार मत बनाइयो।

मनासा जिला नीमच, मध्यप्रदेश

इतिहास

26 अप्रैल (आज) के इतिहास में सबसे बड़ी घटना 1986 की चेरनोबिल परमाणु आपदा है, जब यूक्रेन (तत्कालीन सोवियत संघ) में रिएक्टर विस्फोट से भयानक विकिरण फैला था। इसके अलावा, 1865 में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के हत्यारे जॉन विल्क्स बूथ को मार गिराया गया था। 1986 - चेरनोबिल आपदा: यूक्रेन में चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में विनाशकारी विस्फोट हुआ, जिसे दुनिया की सबसे भीषण परमाणु दुर्घटनाओं में से एक माना जाता है। 1865 - अब्राहम लिंकन के हत्यारे की मौत: अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की हत्या करने वाले जॉन विल्क्स बूथ को संघीय सैनिकों ने घेरने के बाद मार गिराया। 1915 - प्रथम विश्व युद्ध: इटली ने मित्र राष्ट्रों (Allied Powers) के साथ एक गुप्त समझौता (लंदन की संधि) किया।1982 - सिनाई से वापसी: इज़राइल ने 1967 के युद्ध के बाद कब्जे में लिए गए ।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अदाणी विकास केंद्र का उद्घाटन किया, मध्यप्रदेश में महिलाओं की आजीविका को बढ़ावा मिलेगा

भोपाल । केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में अदाणी विकास केंद्र का उद्घाटन किया। इससे प्रदेश में महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

बदरवास में स्थित यह केंद्र 48,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इसमें 600 आधुनिक सिलाई मशीनें लगी हैं।

इसे प्रशिक्षण केंद्र और उत्पादन केंद्र दोनों के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे महिलाओं को संगठित मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में भाग लेते हुए रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करने में मदद मिलती है।

उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए सिंधिया ने ऐसी पहलों के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डाला और कहा कि यह परियोजना जमीनी स्तर पर 'आकांक्षाओं की शक्ति को साकार होते' दर्शाती है।

उन्होंने स्थानीय कौशल को व्यापक बाजारों से जोड़ने के अवसर पैदा करने में अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और अदाणी फाउंडेशन के प्रयासों की भी सराहना की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'बदरवास में हम आकांक्षाओं की शक्ति को साकार होते देख रहे हैं। मैं अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और अदाणी फाउंडेशन को वैश्विक बाजारों तक कौशल पहुंचाने वाला मंच बनाने के लिए बधाई देता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरी प्रिय दीदियों की आंखों में दृढ़ संकल्प साफ दिखाई देता है। उनकी आशाएं और आकांक्षाएं सार्थक आजीविका के माध्यम से साकार हो रही हैं। यह केंद्र सशक्तिकरण का एक सच्चा इंजन है, और मुझे विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में बदरवास के उत्पाद पूरे देश और उससे भी आगे अपनी छाप छोड़ेंगे।'

यह केंद्र अदाणी फाउंडेशन के स्वाभिमान कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत भर में दस लाख महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसरों से जोड़ना है।

बदरवास केंद्र के पूरी क्षमता से चलने पर, इससे लगभग 1,500 महिलाओं को स्थिर आय प्राप्त होने की उम्मीद है।

इस पहल का उद्देश्य स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करके घरेलू आय में सुधार करना, अनौपचारिक रोजगार पर निर्भरता कम करना और पलायन को रोकना भी है।

अपने समुदायों के भीतर आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करके, यह कार्यक्रम दीर्घकालिक वित्तीय स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना चाहता है।

भारत, न्यूजीलैंड एफटीए 27 अप्रैल को होगा साइन, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) सोमवार को साइन होगा। इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और सभी क्षेत्रों में बाजार पहुंच को बढ़ावा मिलेगा।

यह समझौता भारत मंडपम में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में साइन किया जाएगा, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

इस समझौते का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है और इससे भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में तनाव सहित वैश्विक अनिश्चितताएं व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रही हैं।

इस एफटीए पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने रविवार को एक सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो में कहा कि भारत के साथ एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को 1.4 अरब की आबादी वाले बाजार में निवेश करने का मौका मिलेगा। यह एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला मौका है।

यह समझौता विनिर्माण, अवसंरचना, सेवाओं, नवाचार और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में अनुमानित 20 अरब डॉलर के निवेश के लिए भी रास्ते खोलेगा।

समझौते के तहत, भारतीय कंपनियों को न्यूजीलैंड के बाजारों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड को भारत को निर्यात होने वाले अपने लगभग 95 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क में छूट या कमी देखने को मिलेगी।

इन उत्पादों में ऊन, कोयला, लकड़ी, शराब, समुद्री भोजन, चेरी, एवोकाडो और ब्लूबेरी शामिल हैं।

हालांकि, भारत ने घरेलू किसानों और उद्योगों की सुरक्षा के लिए डेयरी, प्याज, चीनी, मसाले, खाद्य तेल और रबर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को शुल्क छूट के दायरे से बाहर रखा है।

न्यूजीलैंड को कीवी फल और सेब जैसे प्रमुख निर्यातों पर कोटा-आधारित शुल्क में कमी भी मिलेगी।

वित्त वर्ष 2027 में पुरानी बनाम नई आयकर व्यवस्था में कर्मचारियों के लिए कौन सा विकल्प रहेगा फायदेमंद?

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026-27 शुरू होते ही सैलरीड कर्मचारियों के सामने एक बार फिर पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था में से सही विकल्प चुनने की चुनौती आ गई है। यह फैसला आपकी आय, निवेश और टैक्स बचाने की आदतों पर निर्भर करता है। सही विकल्प चुनने से आपके टैक्स का बोझ और हर महीने मिलने वाली सैलरी पर सीधा असर पड़ता है।

हालांकि इस साल आयकर स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन कुछ नए अपडेट और स्पष्टीकरण के बाद यह चर्चा फिर तेज हो गई है कि कौन-सा टैक्स सिस्टम ज्यादा बेहतर है। कई लोगों के लिए इस साल सही विकल्प पिछले साल से अलग भी हो सकता है।

पुरानी टैक्स व्यवस्था (ओल्ड टैक्स रिजीम) में टैक्सपेयर्स को कई तरह की छूट और डिडक्शन मिलती हैं, जैसे सेक्शन 80सी में

निवेश, हेल्थ इंश्योरेंस (80डी), होम लोन ब्याज, एचआरए और एलटीए। लेकिन इसके बदले टैक्स दरें ज्यादा होती हैं। इसमें 2.5 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं, 2.5-5 लाख पर 5 प्रतिशत, 5-10 लाख पर 20 प्रतिशत और 10 लाख से ऊपर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है।

वहीं नई टैक्स व्यवस्था (न्यू टैक्स रिजीम) में टैक्स दरें कम हैं, लेकिन ज्यादातर छूट और डिडक्शन हटा दिए गए हैं। इसमें 4 लाख तक आय टैक्स फ्री है, 4-8 लाख पर 5 प्रतिशत, 8-12 लाख पर 10 प्रतिशत, 12-16 लाख पर 15 प्रतिशत, 16-20 लाख पर 20 प्रतिशत, 20-24 लाख पर 25 प्रतिशत और 24 लाख से ऊपर 30 प्रतिशत टैक्स देना होता है।

अगर आपकी सालाना आय 12.75 लाख रुपए तक है, तो नई टैक्स व्यवस्था आपके लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि इसमें स्टैंडर्ड डिडक्शन और सेक्शन 87ए के तहत टैक्स शून्य हो सकता है। साथ ही, जो लोग टैक्स सेविंग निवेश नहीं करते या ज्यादा टेक-होम सैलरी चाहते हैं, उनके लिए भी नया सिस्टम बेहतर है। वहीं, अगर आप 4-5 लाख रुपए या उससे ज्यादा डिडक्शन क्लेम करते हैं, जैसे 80सी, 80डी, एचआरए या होम लोन, तो पुरानी टैक्स व्यवस्था ज्यादा लाभदायक हो सकती है। खासतौर पर मिडिल क्लास और फैमिली जिम्मेदारियों वाले लोगों के लिए यह विकल्प बेहतर साबित हो सकती है।

भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप 2 लाख करोड़ से ज्यादा गिरा, टीसीएस को सबसे अधिक नुकसान

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केटकैप दो लाख करोड़ रुपए से अधिक कम हो गया है और इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को सबसे अधिक नुकसान हुआ है।

इस दौरान सेंसेक्स 1,829.33 अंक या 2.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,664.21 और निफ्टी 455.60 अंक या 1.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,897.95 पर बंद हुआ।

टीसीएस और आरआईएल के अलावा 20-24 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान, जिन कंपनियों का मार्केटकैप कम हुआ है, उनमें एचडीएफसी बैंक, एलआईसी, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी का नाम शामिल हैं।

इसके अलावा, एचयूएल, एसबीआई और बजाज फाइनेंस के

मार्केटकैप में इजाफा हुआ है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 66,699.44 करोड़ रुपए घटकर 8,67,364.12 करोड़ रुपए रह गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई और इसका बाजार मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपए घटकर 17,96,647.50 करोड़ रुपए हो गया।

एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 23,090.05 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह घटकर 12,08,225.48 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में 19,670.75 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह घटकर 5,13,020.56 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

भारती एयरटेल के शेयरों में भी 19,406.59 करोड़ रुपए की गिरावट आई और इसका मूल्यांकन घटकर 11,05,718.62 करोड़ रुपए हो गया। ह्यआईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,663.27 करोड़ रुपए घटकर 9,50,345.40 करोड़ रुपए हो गया, और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार मूल्यांकन 11,142.62 करोड़ रुपए घटकर 5,52,171.88 करोड़ रुपए हो गया।

मौसम में बदलाव के बावजूद देश में गेहूं का उत्पादन स्थिर और मजबूत : केंद्र सरकार

नई दिल्ली । सरकार ने रविवार को 2025-26 के गेहूं उत्पादन पर कुछ मीडिया रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि कुछ क्षेत्रों में मौसम से संबंधित प्रभाव देखे गए हैं, फिर भी 2025-26 के लिए कुल गेहूं उत्पादन की स्थिति स्थिर और मजबूत बनी हुई है। यह बढ़े हुए रकबे, बेहतर कृषि पद्धतियों और उन्नत किस्मों को अपनाने के कारण संभव हुआ है।

कृषि मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान गेहूं सीजन को 'मिश्रित लेकिन लचीला' कहा जा सकता है, जो एक ओर जलवायु संबंधी चुनौतियों और दूसरी ओर किसानों द्वारा अपनाए गए मजबूत अनुकूलन उपायों से प्रभावित है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, 'लगभग 33.4 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई गेहूं की फसल में इस सीजन के दौरान कीटों और रोगों का कोई प्रकोप नहीं देखा गया। देश में समय पर और जल्दी बुवाई के कारण पिछले वर्ष की तुलना में क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है।

उदाहरण के तौर पर, हरियाणा की मंडियों में गेहूं की आवक ने सरकार के 75 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) खरीद लक्ष्य को पार कर लिया है, जिसमें अब तक 56.13 एलएमटी की खरीद हो चुकी है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 9 एलएमटी अधिक है।

मध्य प्रदेश में प्रारंभिक खरीद लक्ष्य 78 एलएमटी था, लेकिन उच्च उत्पादन अनुमान के कारण राज्य सरकार के अनुरोध पर इसे बढ़ाकर 100 एलएमटी कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में 2025-26 के लिए गेहूं उत्पादन का अनुमान लगभग 22.90 लाख टन है, जो हाल के वर्षों की तुलना में स्थिर वृद्धि दर्शाता है।

अप्रैल 2026 के अंत तक राज्य में, विशेष रूप से मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों से, गेहूं की आवक लगातार बनी हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि फसल के मौसम के अंत में, फरवरी महीने में असामान्य रूप से उच्च तापमान के कारण फसल गर्मी के तनाव से ग्रस्त हो गई, जिससे अनाज भरने की अवधि और उपज कम हो गई।

इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में फसल पकने के समय असमय हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण अनाज की गुणवत्ता और उपज को स्थानीय स्तर पर नुकसान होने की संभावना है, हालांकि कई प्रतिपूरक कारकों के कारण समग्र उत्पादन दृष्टिकोण सतर्कतापूर्वक आशावादी बना हुआ है।

सरकार ने कहा, 'गेहूं की फसल में किसी भी रोग या कीट के कारण उत्पादन में कमी की कोई रिपोर्ट नहीं है। साथ ही, फसल की वृद्धि के दौरान खरपतवार का प्रकोप भी कम रहा।

एक दिन में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का वितरण, आपूर्ति नॉर्मल: सरकार

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से रविवार को जारी अपडेट के अनुसार, शनिवार को 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। कहा गया कि खुदरा वितरकों पर कुकिंग गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है।

इसके अलावा, इस वर्ष मार्च से अब तक 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया गया है और अतिरिक्त 2.62 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया है कि 42,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

इस बीच, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की

ऑनलाइन बुकिंग में 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्रमाणीकरण कोड आधारित डिलीवरी में लगभग 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण समग्र एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने के बावजूद, घरेलू उपयोग के लिए खाना पकाने की गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है। शनिवार को 9,131 मीट्रिक टन से अधिक कमर्शियल एलपीजी (4.8 लाख 19 किलोग्राम सिलेंडरों के बराबर) की बिक्री हुई, जिससे इस माह की कुल बिक्री 1,64,655 मीट्रिक टन (86.66 लाख 19 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों के बराबर) हो गई है।

इस बीच, एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन अभियान जारी हैं। शनिवार को देशभर में 2,100 से अधिक छापे मारे गए।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अचानक निरीक्षण बढ़ा दिए हैं और अब तक 310 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया है और 70 एलपीजी वितरकों को निलंबित किया है।

गिग वर्कर्स के संगठन ने सरकार से गर्मी से बचाव के उपायों को लागू करने का आग्रह किया

नई दिल्ली। भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी के बीच, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राष्ट्रीय संगठन ने सरकार से हीट वेव (लू) से बचाव के लिए उपायों को लागू करने का आग्रह किया है।

ऐप-आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के भारतीय संघ ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को पत्र लिखकर सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत बाध्यकारी सुरक्षा उपायों को लागू करने की मांग की है।

यह कानून देश भर में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के सामाजिक

सुरक्षा अधिकारों को नियंत्रित करता है।

अपने पत्र में संघ ने श्रमिकों को भीषण गर्मी के प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से कई उपायों का प्रस्ताव रखा है।

इनमें भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान सशुल्क शीतलन अवकाश शामिल हैं, साथ ही अत्यधिक गर्मी के कारण काम बंद करने पर श्रमिकों पर जुर्माना, आईडी ब्लॉक या प्रोत्साहन राशि में कटौती से सुरक्षा उपाय भी शामिल हैं।संघ ने उच्च तापमान में काम करने वाले श्रमिकों के लिए पीने के पानी, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और कूलिंग शेल्टर्स की अनिवार्य उपलब्धता की भी मांग की है।

इसके अतिरिक्त, इसने एग्रीगेटरों के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऐप में आपातकालीन संकट प्रणाली और सार्वजनिक अनुपालन डैशबोर्ड शुरू करने की सिफारिश की है।

इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए आईएफएटी ने कहा कि डिलीवरी कर्मी, राइड-हेलिंग ड्राइवर और होम-सर्विस कर्मचारी भीषण गर्मी की लहरों में भी पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना काम कर रहे हैं, जिससे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मियों में 'स्विमर्स आई' का खतराः विशेषज्ञों ने क्लोरीन से होने वाले आंखों के संक्रमण के प्रति किया आगाह

गर्मियों के महीनों में जब अधिक लोग स्विमिंग पूल में समय बिताते हैं, तो आंखों में जलन और संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जाती है। कई मरीज तैरने के बाद आंखों में लालिमा या बेचैनी की शिकायत लेकर आते हैं, जिसे अक्सर 'स्विमर्स आई' या 'केमिकल कंजंक्टिवाइटिस' कहा जाता है।नेत्राधामा सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल्स की कार्यकारी निदेशक और फेको व रिफ्रैक्टिव सर्जन, डॉ. सुप्रिया श्रीगणेश इस विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा कर रही हैं: इसका प्राथमिक कारण क्लोरीन का संपर्क है। अधिकांश पूलों में, विशेष रूप से सार्वजनिक पूलों में, स्वच्छता बनाए रखने और संक्रमण को रोकने के लिए क्लोरीन के उच्च स्तर का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह आवश्यक है, लेकिन क्लोरीन आंखों की सतह पर जलन पैदा कर सकता है और धीरे-धीरे उस प्राकृतिक आंसू फिल्म (tear film) को बाधित कर सकता है जो आंखों की रक्षा करती है। बार-बार संपर्क में आने से यह सुरक्षात्मक परत कमजोर हो जाती है, जिससे आंखों में जलन और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

वैसे तो यह किसी को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन बच्चे इसके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। उनकी आंखें अधिक नाजुक होती हैं और वे अक्सर पानी में लंबा समय बिताते हैं। साथ ही, वे हमेशा अपनी परेशानी को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाते, जिसका अर्थ है कि शुरुआती लक्षणों पर ध्यान नहीं जा पाता। माता-पिता को तैरने के बाद लालिमा, खुजली, पानी आना, जलन या चुभन जैसे संकेतों पर नज़र रखनी चाहिए।अक्सर इन लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन हल्की जलन या कॉर्निया पर एक छोटी सी खरोंच भी आंख की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली को कम कर सकती है।

क्या 2026 की हीटवेव उस 'मेगा अल नीनो' को सक्रिय करेगी जिसने 150 साल पहले दुनिया की 4 प्रतिशत आबादी की जान ले ली थी?

जैसे-जैसे तापमान बढ़ना जारी है, एक 'मेगा अल नीनो' या 'सुपर अल नीनो' का डर मंडरा रहा है। यह 1877-78 की उस भयानक अवधि की याद दिलाता है जो इतिहास की सबसे घातक जलवायु घटनाओं में से एक थी। लगभग 150 साल पहले क्या हुआ था? यह घटना क्या है? इससे कैसी तबाही हो सकती है? क्या भारत को चिंता करनी चाहिए?

प्रशांत महासागर का अध्ययन कर रहे शोधकर्ताओं का कहना है कि समुद्र की सतह का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो अल नीनो बनने का एक मुख्य संकेत है। यदि वर्तमान रुझान जारी रहा, तो 2026 में एक 'सुपर अल नीनो' विकसित हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर यह घटना 2027 तक वैश्विक तापमान को नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा सकती है।

लगभग 150 साल पहले उस अल नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में भीषण गर्मी, लंबा सूखा और अकाल पड़ा था। आंकड़े बताते हैं कि उस समय दुनिया की लगभग 4 प्रतिशत आबादी की मृत्यु हो गई थी, जिससे लाखों लोग मारे गए थे। वैज्ञानिकों को डर है कि 2026 में इतिहास खुद को दोहरा सकता है।

अल नीनो क्या है?

अल नीनो तब होता है जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इससे हवा के पैटर्न बदल जाते हैं, मानसून कमजोर हो जाता है और दुनिया भर में वर्षा बाधित होती है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेज़न बेसिन को सूखे और अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ सकता है, जबकि अमेरिका के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ आ सकती है।

मौसम का पूर्वानुमान क्या है?

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा जारी ताजा मासिक ग्लोबल सीजनल क्लाइमेट अपडेट ने भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत दिया है, जिसमें समुद्र की सतह का तेजी से बढ़ता तापमान मई-जुलाई 2026 की शुरुआत में अल नीनो की स्थिति की संभावित वापसी की ओर इशारा कर रहा है।

रिपोर्ट में आगामी तीन महीने की अवधि में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में वर्षा के वितरण में उल्लेखनीय क्षेत्रीय बदलावों के साथ 'जमीन की सतह के तापमान में लगभग वैश्विक स्तर पर सामान्य से अधिक वृद्धि' का अनुमान लगाया गया है।

WMO में जलवायु पूर्वानुमान के प्रमुख विल्फ्रेन मौफौमा ओकिया ने कहा कि साल की शुरुआत में तटस्थ स्थितियों की अवधि के बाद अब जलवायु मॉडल दृढ़ता से सीरेखित हैं और अल नीनो की शुरुआत के प्रति उच्च विश्वास है, जिसके बाद आने वाले महीनों में और तीव्रता आएगी।

उन्होंने आगे कहा कि मॉडल संकेत देते हैं कि यह एक मजबूत घटना हो सकती है, लेकिन साल के इस समय पूर्वानुमानों की निश्चितता के लिए 'स्प्रिंग प्रेडिक्टेबिलिटी बैरियर' एक चुनौती है और पूर्वानुमान का भरोसा आम तौर पर अप्रैल के बाद सुधरता है।

अल नीनो और ला नीना अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO) के विपरीत चरण हैं, जो पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली जलवायु पैटर्न में से एक हैं। ये घटनाएं वैश्विक मौसम प्रणालियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं, वर्षा, सूखे की स्थिति और महाद्वीपों में चरम मौसम की घटनाओं को नया आकार देती हैं।

क्या भारत को चिंतित होना चाहिए?

यह भारत के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि यह मानसून और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा कर सकता है। देश की कृषि, जल संसाधन और अर्थव्यवस्था मानसून पर निर्भर है। 2026 में उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में लंबी हीटवेव और सामान्य से कम बारिश हो सकती है, जिससे खेती को नुकसान होगा।कमजोर मानसून से फसल की पैदावार कम हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और आम लोगों के लिए मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। बारिश कम होने से जलाशयों और भूजल स्तर में गिरावट आने से पानी की कमी हो सकती है। बढ़ती गर्मी स्थिति को और खराब कर देती है। जलवायु परिवर्तन पहले से ही तापमान बढ़ा रहा है और अल नीनो इसे और भी बदतर बना सकता है।

ईरान को हो रहा है भारी नुकसान, फिर भी चाहता है कि ट्रंप पहले झुकेंः तेहरान की रणनीति का विश्लेषण

संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान दोहरी समुद्री नाकेबंदी और रुकी हुई शांति प्रक्रिया को लेकर एक बड़े टकराव (game of chicken) में फंसे हुए हैं। जहाँ एक ओर तेहरान भीषण आर्थिक तबाही का सामना कर रहा है, वहीं उसके नेताओं को लगता है कि वैश्विक ऊर्जा संकट और घरेलू राजनीतिक दबाव अंततः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पीछे हटने पर मजबूर कर देंगे।

'दोहरी नाकेबंदी' का गतिरोध

13 अप्रैल से अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने या वहां से निकलने वाले सभी जहाजों पर नौसैनिक नाकेबंदी कर रखी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यह नाकेबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक ईरान एक 'असली सौदे' (real deal) के लिए सहमत नहीं हो जाता। इसके जवाब में ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है और अपनी जमी हुई 274 बिलियन डॉलर (11 ट्रिलियन रियाल) की संपत्ति को मुक्त करने की मांग कर रहा है। अल जज़ीरा और अन्य रिपोर्टों के अनुसार, इस मार्ग पर यातायात में लगभग 97% की गिरावट आई है, जिससे वैश्विक ईंधन और उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल आया है।

ईरान को क्यों लगता है कि ट्रंप पहले झुकेंगे?

सीएनएन के अनुसार, तेल भंडारण संकट और बढ़ती बेरोजगारी के बावजूद तेहरान का नेतृत्व अमेरिकी स्थिति को कमजोर करने के लिए कई बाहरी दबावों पर दांव लगा रहा है। ईरान का मानना है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था इस जलडमरूमध्य के लंबे समय तक बंद रहने को बर्दाश्त नहीं कर सकती, खासकर जब गैस की बढ़ती कीमतें वहां घरेलू विरोध को हवा दे रही हैं। ईरानी अधिकारियों का आकलन है कि ट्रंप पर आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले जीत हासिल करने का भारी दबाव है। हालिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वाशिंगटन में आंतरिक नीति विवाद बढ़ रहे हैं और स्पेन व ब्रिटेन जैसे नाटो सहयोगियों के बीच युद्ध के आर्थिक नुकसान को लेकर निराशा बढ़ रही है। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप का लहजा अक्सर वैश्विक बाजारों के खुलने से ठीक पहले नरम हो जाता है, जो एक 'मनोवैज्ञानिक ऑपरेशन' का संकेत देता है। शुरुआती 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' की मांगों के बावजूद, ट्रंप ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कई बार युद्धविराम को बढ़ाया है, जिसे कुछ पर्यवेक्षक एक स्पष्ट निकास रणनीति (e&it strategy) की कमी के रूप में देख रहे हैं। अप्रैल की शुरुआत में नौसेना सचिव जॉन फेलन जैसे उच्च स्तरीय अधिकारियों का इस्तीफा अमेरिकी प्रशासन के भीतर 'अधिकतम दबाव' चाहने वालों और दीर्घकालिक दलदल से डरने वाले व्यवहारवादियों के बीच गहरे मतभेद को दर्शाता है।

ईरान पर प्रभाव

ईरान के लिए इसकी कीमत बहुत अधिक है। इस वर्ष उसकी अर्थव्यवस्था में 10% की गिरावट आने का अनुमान है। स्टील मिलों और पावर ग्रिड जैसे बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान से बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है, और निरंतर इंटरनेट ब्लैकआउट ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को पंगु बना दिया है।

क्या अमेरिकन ड्रीम धुंधला पड़ रहा है? सर्वे का खुलासाः 40% भारतीय अमेरिकी अमेरिका छोड़ने पर कर रहे हैं विचार

कई भारतीयों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका कभी आखिरी मंजिल हुआ करता था, लेकिन अब बढ़ती संख्या के लिए 'अमेरिकन ड्रीम' धीरे-धीरे धुंधला पड़ता जा रहा है। कार्नेगी एंडोमेंट के एक सर्वे से पता चलता है कि भारतीय अमेरिकी समुदाय तेजी से चिंतित हो रहा है और कई लोग अब अमेरिका छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं। यूगॉव (YouGov) के साथ मिलकर किए गए 1,000 उत्तरदाताओं के इस सर्वे से पता चलता है कि लगभग 40% भारतीय अमेरिकियों ने राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दबावों के कारण देश छोड़ने के बारे में सोचा है।

सर्वे के अनुसार, '14 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना है कि उन्होंने अक्सर अमेरिका छोड़ने के बारे में सोचा है, जबकि 26 प्रतिशत ने कभी-कभी इस पर विचार किया है।'

सर्वे में आगे कहा गया, 'दिलचस्प बात यह है कि इसका सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी राजनीति से हताशा है, जिसका उल्लेख लगभग दस में से छह उत्तरदाताओं (58 प्रतिशत) ने किया। इसके बाद जीवन यापन की लागत (54 प्रतिशत) और व्यक्तिगत सुरक्षा (41 प्रतिशत) को लेकर चिंताएं बताई गईं।

गौरतलब है कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय मूल के 5.2 मिलियन से अधिक लोग रह रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से मोहभंग

इस बदलाव के केंद्र में राजनीतिक माहौल है। छोड़ने का विचार करने वाले 58% लोगों ने इसे मुख्य कारण बताया। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के प्रति व्यापक असंतोष ने इस भावना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जवाब देने वाले लगभग 71% लोगों ने कहा कि उन्हें अर्थव्यवस्था, अप्रवासन (इमिग्रेशन) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने का उनका तरीका पसंद नहीं आया।

अमेरिका-भारत संबंधों की कुछ आलोचना हुई है, लेकिन अधिकांश लोगों के लिए विदेश नीति कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। इसके बजाय, कई लोग घरेलू राजनीति के लहजे और बढ़ते 'बहिष्करण वाले राष्ट्रीय विमर्श' (e&clusionary national narrative) से असहज महसूस करते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' पर जोर देने वाली बयानबाजी ने भारतीय अमेरिकियों सहित अन्य प्रवासी समुदायों को अपनेपन का एहसास कम कराया है।

भेदभाव और जीवन यापन की बढ़ती लागत

भेदभाव की बढ़ती भावना और सामाजिक अशांति भी इससे जुड़ी हुई है। 2020 के बाद से सीधी हिंसा में कोई बड़ी वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन लोग रोज़मर्रा के पक्षपात, खासकर कार्यस्थलों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर, अधिक चिंतित हैं।

कई लोगों ने कहा कि उन्होंने अपने व्यवहार में बदलाव किया है, कुछ खास बातचीत से बचते हैं, या सार्वजनिक रूप से कम सुरक्षित महसूस करते हैं। पहली पीढ़ी के प्रवासियों और गैर-नागरिकों वाले इस समुदाय के लिए असहजता की यह निरंतर भावना छोड़ने के विचार का एक बड़ा कारण है।

आपको अपने कोलेस्ट्रॉल की निगरानी कब शुरू करनी चाहिए? यह आपकी सोच से भी पहले हो सकता है

हृदय रोग अब मध्यम आयु तक प्रतीक्षा नहीं करता है और नए कोलेस्ट्रॉल दिशानिर्देशों के अनुसार, डॉक्टरों और रोगियों दोनों से अपनी सोचने की प्रक्रिया बदलने का आग्रह किया गया है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी सहित प्रमुख चिकित्सा निकायों की नवीनतम सिफारिशें, मौजूदा हृदय समस्याओं के इलाज के बजाय जोखिम को बहुत पहले पहचानने और दीर्घकालिक प्रबंधन करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

कोलेस्ट्रॉल, विशेष रूप से LDL ('खराब' कोलेस्ट्रॉल), अभी भी मुख्य बिंदु बना हुआ है, लेकिन अब इसे अलग-थलग करके नहीं देखा जाता है। इसके बजाय, डॉक्टरों को सलाह दी जाती है कि वे जोखिम की पूरी तस्वीर पेश करने के लिए जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और समग्र स्वास्थ्य के साथ-साथ ट्राइग्लिसराइड्स, ApoB और लिपोप्रोटीन(a) जैसे अन्य संकेतों पर भी विचार करें।

लेकिन कोलेस्ट्रॉल क्या है?

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त और शरीर की हर कोशिका में पाया जाने वाला एक मोम जैसा, वसायुक्त पदार्थ है। आपका लीवर इसका अधिकांश हिस्सा बनाता है, और आपको मांस, अंडे और डेयरी जैसे खाद्य पदार्थों से भी कुछ हिस्सा मिलता है। हार्मोन, विटामिन ष्ठ और भोजन पचाने में मदद करने वाले पदार्थों को बनाने के लिए कोलेस्ट्रॉल आवश्यक है। यह लिपोप्रोटीन नामक पैकेज के रूप में रक्त के माध्यम से यात्रा करता है, मुख्य रूप से LDL ('खराब' कोलेस्ट्रॉल) और HDL ('अच्छा' कोलेस्ट्रॉल)।

जब LDL बहुत अधिक होता है, तो यह धमनी की दीवारों में जमा हो सकता है, जिससे हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि कोलेस्ट्रॉल के स्तर को स्वस्थ सीमा में रखना दीर्घकालिक हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

उच्च कोलेस्ट्रॉल के आमतौर पर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं, फिर भी यह समय के साथ दिल के दौरे और स्ट्रोक की संभावना को लगातार बढ़ाता है। कई लोग अभी भी इसे केवल 40 की उम्र के बाद की चिंता मानते हैं, लेकिन धमनियों में 'प्लाक' का जमना बहुत पहले शुरू हो सकता है, कभी-कभी युवावस्था में ही। भारत में कम उम्र में हृदय रोग के लक्षण दिखने के कारण, इन संकेतों को जल्दी पहचानना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अपडेट किए गए दिशानिर्देश कोलेस्ट्रॉल की जांच जल्दी शुरू करने और नियमित रूप से इसे दोहराने की सलाह देते हैं।

कितना कम पर्याप्त है?

दिशानिर्देशों ने जोखिम के आधार पर स्पष्ट LDL लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

तपिश भरी गर्मी में अपनी त्वचा को सन-प्रूफ कैसे बनाएं? यहाँ कुछ ऐसे तरीके दिए गए हैं जो शायद आपने पहले नहीं सुने होंगे

गर्मी का मौसम हर जगह अलग-अलग होता है। कुछ हिस्सों में लू और तेज़ गर्म हवाएं चलती हैं, तो कहीं चिपचिपी नमी होती है। इस मौसम में पसीना, अत्यधिक तेल, धूप और प्रदूषण मिलकर त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बंद रोमछिद्र (clogged pores), टैनिंग, मुंहासे और डलनेस जैसी समस्याएँ बहुत बढ़ जाती हैं। इसलिए मौसम के हिसाब से स्किनकेयर रूटीन बदलना ज़रूरी है।

ऑयली स्किन में अधिक नमी के कारण तेल बढ़ता है जिससे मुंहासे होते हैं। वहीं, ड्राई स्किन में एसी (AC) की वजह से नमी कम हो जाती है। सेंसिटिव स्किन में घमौरियां या रिएक्शन हो सकता है। इसलिए त्वचा के प्रकार के अनुसार उसे मेंटेन रखना आवश्यक है।

समर स्किनकेयर के ज़रूरी नियम

सबसे पहले सही तरीके से चेहरे की सफाई करें। हल्के जेल या फोम-बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें, जो पसीना, गंदगी और अतिरिक्त तेल हटाए लेकिन त्वचा को रूखा न बनाए। सैलिसिलिक एसिड या जिंक वाले क्लींजर बेहतर माने जाते हैं।

हल्का मॉइश्चराइज़र चुनें। गर्मियों में भारी क्रीम के इस्तेमाल से बचें।

जेल या वॉटर-बेस्ड मॉइश्चराइज़र बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेटेड रखते हैं।

सनस्क्रीन सबसे ज़रूरी है। कम से कम SPF 50 वाला हल्का और नॉन-ग्रीसी सनस्क्रीन लगाएं। इसे हर 3-4 घंटे में दोबारा लगाना आवश्यक है। साथ ही टोपी, छाता और चेहरे को ढंकना भी फायदेमंद होता है।

रूटीन में एंटीऑक्सीडेंट शामिल करें। सुबह के समय विटामिन-ष्ट या नायसिनामाइड जैसे तत्व त्वचा को चमकदार बनाते हैं और धूप से होने वाले नुकसान को कम करते हैं।

हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें। इससे मृत कोशिकाएं (dead skin) हटती हैं और त्वचा ताज़ा दिखती है। हालांकि, बहुत अधिक या कठोर स्क्रब के इस्तेमाल से बचें।

रात का स्किनकेयर भी उतना ही ज़रूरी है।

श्रद्धा कपूर ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड की तारीफ की, बताया 'प्रतिभाशाली'

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर पिछले कुछ समय से राहुल मोदी के साथ अपने रूमर्ड संबंधों को लेकर सुर्खियों में हैं।

हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन फोटोग्राफरों द्वारा उन्हें अक्सर एक साथ कैमरे में कैद किया जाता है।

श्रद्धा कपूर ने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने रूमर्ड प्रेमी की प्रशंसा की।उन्होंने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में राहुल मोदी के नवीनतम विज्ञापन पर टिप्पणी की, जिसमें 'सैय्यारा' की अभिनेत्री अनीत पड्डा शामिल हैं। फिल्म 'स्त्री' की अभिनेत्री ने अनीत की तारीफ करते हुए लिखा, 'बेहतरीन अभिनय का परफेक्ट मिश्रण। श्रद्धा ने राहुल मोदी को 'प्रतिभाशाली' कहते हुए लिखा, 'और क्यूटनेस से याद आया, ये लेखक-निर्देशक कितने प्रतिभाशाली हैं उफ राहुल मोदी। श्रद्धा और राहुल के बीच रिश्ते की अटकलें 2024 की शुरुआत में तब शुरू हुई, जब कथित तौर पर दोनों को मुंबई में एक डिनर डेट से एक साथ निकलते हुए देखा गया। उसके बाद इन दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है। यहां तक कि उन्होंने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के भव्य प्री-वेडिंग समारोह में भी एक साथ शिरकत की थी। पिछले साल जून में श्रद्धा ने लेखक प्रेमी के साथ अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर आधिकारिक रूप देने का फैसला किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर राहुल मोदी के साथ सेल्फी लेते हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की। सफेद कपड़ों में ट्विनिंग करते हुए श्रद्धा ने राहुल का हाथ प्यार से पकड़ा है। तस्वीर के कैप्शन में लिखा है, 'दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार' (मेरा दिल ले लो, लेकिन कम से कम मेरी नींद तो लौटा दो)। इसके अलावा, श्रद्धा एक तस्वीर में 'आर' अक्षर वाला पेंडेंट पहने हुए भी नजर आईं। अपनी पेशेवर प्रतिबद्धताओं के बारे में बात करते हुए श्रद्धा कपूर मराठी लोक कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित बायोपिक 'ईथा' में मुख्य भूमिका निभाएंगी।

'आशिकी 2' के 13 साल पूरे, मोहित सूरी बोले- कुछ फिल्में सिर्फ बनती नहीं हैं, वे आपको बनाती हैं

मुंबई। फिल्ममेकर मोहित सूरी अपनी सुपरहिट फिल्म 'आशिकी 2' के 13 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की कुछ अनदेखी तस्वीरें (बीटीएस) शेयर कीं और एक इमोशनल नोट भी लिखा, जिसने फैंस को फिर से उस दौर में पहुंचा दिया।

मोहित सूरी ने अपने पोस्ट में लिखा, 'कुछ फिल्में सिर्फ बनती नहीं हैं... वे आपको बनाती हैं। सेट पर बिताया हर पल... हर खामोशी, हर आंसू, संगीत की हर धुन...ऐसा लगता था जैसे हम उसे सिर्फ़ बना नहीं रहे थे, बल्कि जी रहे थे। साल बीत गए, लेकिन उनकी गूंज आज भी बाकी है।

उन्होंने कहा, 'शुक्रिया अदा करने के लिए बहुत से लोग हैं। इतने ज्यादा कि मैं शायद कभी उन सबका नाम भी न ले पाऊं। लेकिन वे सभी इस फिल्म के अंदर ही बसते हैं। आज मेरे दिल में बस एक ही एहसास है शुक्रगुजारी का... उस प्यार के लिए जो इस फिल्म को मिला है और जिस तरह यह आज भी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाती जा रही है।

मोहित सूरी ने आगे कहा, 'कुछ प्रेम कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं। वे बस चलती रहती हैं। दिल के किसी कोने में, बार-बार दोहराई जाती हुई।

इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर ने लीड रोल निभाया था। आदित्य ने राहुल जयकर का किरदार निभाया था, जो एक टैलेंटेड लेकिन परेशान सिंगर होता है और शराब की लत से जूझ रहा होता है। वहीं श्रद्धा कपूर ने आरोही का रोल किया, जो एक उभरती हुई सिंगर होती है। फिल्म में प्यार, त्याग, दर्द और रिश्तों की जटिलता को बहुत ही इमोशनल तरीके से दिखाया गया था, जो दर्शकों के दिलों को छू गया।

फिल्म का म्यूजिक भी इसकी सबसे बड़ी ताकत बना। खासकर अरिजीत सिंह का गाया 'तुम ही हो' आज भी लोगों की प्लेलिस्ट का हिस्सा है। इस गाने और पूरे एल्बम ने उस समय म्यूजिक चार्ट्स पर राज किया था।

रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत, कोर्ट ने बैंक अकाउंट अनफ्रीज करने का दिया आदेश

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े ड्रग्स केस में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत मिली है। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) स्पेशल कोर्ट ने एक अहम फैसले में रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक चक्रवर्ती और उनकी मां संध्या चक्रवर्ती के बैंक खातों को अनफ्रीज करने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद अब परिवार को आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक में मौजूद अपने अकाउंट्स का एक्सेस मिल जाएगा। यह आदेश 25 अप्रैल 2026 को सुनाया गया, जिसमें कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने कानूनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं किया। अदालत ने पाया कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत जो प्रक्रिया तय की गई है, उसका पालन नहीं हुआ।

इस कानून के मुताबिक, किसी भी संपत्ति या बैंक खाते को फ्रीज करने के बाद 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी से उसकी मंजूरी लेना जरूरी होता है, लेकिन इस मामले में यह प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जब तय समयसीमा के अंदर जरूरी मंजूरी नहीं ली जाती, तो ऐसे फ्रीजिंग आदेश कानूनी रूप से मान्य नहीं रह जाते। अगर पूरे मामले की बात की जाए तो यह केस साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद शुरू हुआ था। उस समय जांच के दौरान ड्रग्स एंगल सामने आया, जिसमें रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक का नाम जुड़ा। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जांच के तहत उनके बैंक अकाउंट्स को फ्रीज कर दिया था। एजेंसी का कहना था कि जांच के दौरान वित्तीय लेनदेन पर रोक जरूरी है, ताकि किसी तरह की छेड़छाड़ या सबूतों को प्रभावित होने से रोका जा सके।

हालांकि, इस कार्रवाई के खिलाफ रिया चक्रवर्ती की ओर से लगातार कानूनी चुनौती दी गई। उनका कहना था कि बैंक अकाउंट्स को फ्रीज करने में जरूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और यह कदम बिना उचित मंजूरी के उठाया गया। मामला अदालत में पहुंचा, जहां अब कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रक्रिया में खामी होने के कारण यह कार्रवाई बेअसर है।

वरुण धवन ने 'वाओ' गाने का रिहर्सल वीडियो किया शेयर, बताया अपना बर्थडे सॉन्ग

मुंबई। वरुण धवन की आगामी रोमांटिक फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना' के निर्माताओं ने हाल ही में संगीत प्रेमियों को एक जोशीले गाने 'वाओ' से रूबरू कराया।

रविवार को वरुण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर गाने के रिहर्सल सेशन का एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो अपलोड किया। वरुण ने बताया कि लोकप्रिय गानों के हुक स्टेप्स देखना तो सभी को पसंद होता है, लेकिन उन्हें परफेक्ट बनाने के पीछे की मेहनत से कोई वाकिफ नहीं होता।

वीडियो में वरुण पूरे जोश के साथ डांस स्टेप्स की प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'जो काम कोई नहीं देखता, वही वो स्टेप हैं जिसे सब देखते हैं।

शुक्रवार को एक साल और बड़े हुए वरुण ने 'वाओ' को अपना 'बर्थडे सॉन्ग' बताया।

इंस्टाग्राम पर गाने की एक झलक शेयर करते हुए वरुण ने लिखा, 'मेरा बर्थडे सॉन्ग है वाओ! इस गाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरे सभी चाहने वालों का शुक्रिया, जिन्होंने मेरे जन्मदिन को इतना खास बनाया।

हार्डी संधू और किरण बाजवा की सुरीली आवाजों से सजे इस गाने 'वाओ' को तनिष्क बागची, रोनी अजनाली और गिल मछराई ने संगीतबद्ध किया है, जबकि इसके बोल रोनी और गिल ने लिखे हैं।

इस गाने के बारे में हार्डी ने एक बयान में कहा कि पहली बार सुनते ही 'वाह' में वो चिंगारी सी महसूस हुई। यह ऊर्जा से भरपूर और बेहद आकर्षक गाना है, ऐसा गाना जिसे आप सिर्फ सुनते नहीं, महसूस करते हैं। इतने बेहतरीन रचनात्मक सहयोगियों के साथ इसे रिकॉर्ड करना बेहद मजेदार अनुभव रहा।

संगीतकार तनिष्क बागची ने कहा कि 'वाओ' के साथ वे इसे समकालीन, जोशीला और बेहद आकर्षक बनाना चाहते थे। इसे इस तरह बनाया गया है कि आप थिरकने लगें, बस इतना ही। इस गाने में शामिल हर कलाकार ने अपना व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ा है, जिससे इस गाने के प्रति मेरा नजरिया और भी निखर गया है।

डेविड धवन द्वारा निर्देशित, 'है जवानी तो इश्क होना' में मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर सहित कई अन्य कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

'छोटी सी गलती की भी गुंजाइश नहीं', हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

चेन्नई। फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं।

वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।

नई नेपाल सरकार ने चीन के साथ हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर समझौतों की जांच शुरू

काठमांडू। चीन ने हमेशा नेपाल के साथ अपने आर्थिक संबंधों का इस्तेमाल हिमालयी देश में राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए एक सीढ़ी के रूप में किया है, लेकिन अब नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ किए गए कई समझौतों की जांच की जा रही है।

दिल्ली स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट रिसर्च एंड रिजोल्यूशन (आईसीआरआर) द्वारा प्रकाशित एक लेख के अनुसार, 'हाल के वर्षों में, नेपाल में चीन की बढ़ती भूमिका आर्थिक सहयोग से परे जाकर रणनीतिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आई है, जिसमें तिब्बत और ताइवान से संबंधित मुद्दों पर राजनयिक दबाव से लेकर आंतरिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों तक शामिल हैं।'

लेख में कहा गया कि के.पी शर्मा ओली के कार्यकाल के दौरान नेपाल ने चीन के साथ कई समझौते किए, जिन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में क्रांतिकारी कदम के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, अब देश की नई सरकार इन समझौतों की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ओली काल में शुरू की गई चीन से जुड़ी कई परियोजनाएं बिना किसी स्पष्ट कारण के क्यों रुक गईं, उनमें देरी हुई या वे प्रभावी रूप से बंद हो गई हैं।

नई सरकार ने यह भी घोषणा की है कि इन परियोजनाओं की पूरी समीक्षा होने तक चीन के साथ किसी भी नए समझौते पर विचार नहीं किया जाएगा। नेपाल-चीन संबंधों में निर्णायक मोड़ 2016 और 2018 के बीच आया, जब बेल्ट एंड रोड पहल के तहत नेपाल बीजिंग के करीब आया। ओली सरकार ने इन समझौतों को नेपाल को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी केंद्र में बदलने के ऐतिहासिक अवसर के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, इन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हमेशा व्यावहारिक योजना या वित्तीय स्पष्टता का समर्थन नहीं मिला।

लेख में अटकी हुई कई परियोजनाओं का जिक्र किया गया है, जिसमें बूढ़ी गंडकी जलविद्युत परियोजना शामिल है, जिसका ठेका मई 2017 में चीन के गेझोउबा समूह को दिया गया था, जिसे नवंबर 2017 में रद्द कर दिया गया था, 2018 में बहाल किया गया था और 2022 से बिना किसी मजबूत प्रगति के प्रभावी रूप से रुका हुआ है। लगभग 2016-2017 में घोषित प्रस्तावित केरंग-काठमांडू रेलवे परियोजना, तकनीकी चुनौतियों और वित्तीय समाधानों की कमी के कारण 2026 में भी अटकी हुई है।

पेजेशकियन ने दोहराया 'ईरान दबाव और धमकियों के आगे झुकेगा नहीं'

तेहरान। अस्थाई संघर्ष विराम और कूटनीतिक प्रयासों के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने खाड़ी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने पर जोर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि वो किसी की धमकियों और दबाव के आगे झुक कर शांति वार्ता में शामिल नहीं होंगे। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।

अर्द्ध सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी राष्ट्रपति ने ये बातें मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ फोन पर हुई बातचीत में कही।

अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के ईरान के पक्के इरादे को दोहराते हुए, पेजेश्कियन ने यूएस-इजरायली सरकार के बीच किसी भी नए टकराव के गंभीर परिणामों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले असर को लेकर चेतावनी दी।

सीजफायर को लेकर जारी वार्ता के बीच पेजेश्कियन ने कहा कि 'वार्ता और सीजफायर के दौरान भी यूनाइटेड स्टेट्स नियमों का उल्लंघन करता रहा; ये बर्ताव उनके बलपूर्वक सब कुछ हासिल करने की प्रवृत्ति को दर्शाता है,' और हम इसकी आलोचना करते हैं।

उन्होंने कहा कि ईरान पर वाशिंगटन के तथाकथित समुद्री प्रतिबंधों से जुड़े काम सीजफायर संबंधी नियमों का साफ उल्लंघन हैं और यूनाइटेड नेशंस चार्टर के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के उपायों और धमकी भरे बयानों ने कूटनीतिक प्रयासों को लेकर यूएस की मंशा के प्रति सशंकित कर दिया है।

`बातचीत में खाड़ी देशों का भी जिक्र हुआ। पड़ोसियों संग रिश्ते सहज करने पर चर्चा हुई। पेजेश्कियन ने कहा कि 'ईरान आपसी सम्मान के आधार' पर फारस की खाड़ी के दक्षिणी किनारे के देशों सहित सभी पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते बनाने और उन्हें मजबूत करने के लिए तैयार है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि 'ये देश बाहरी दखल के बिना, इलाके में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे।'

ये बातचीत ऐसे दौर में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित संघर्ष विराम को लेकर वार्ता ठप पड़ गई है। दरअसल, ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाले अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर का दौरा रद्द हो गया है।

ईरान पर नाकाबंदी अभी भी 'पूरी तरह लागू' : अमेरिकी सेना

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना लगातार ोईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लागू कर रही है और ईरानी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले जहाजों को रोकने की कार्रवाई जारी है। यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।

एक पोस्ट में बताया गया कि नाकाबंदी शुरू होने के बाद अब तक 37 जहाजों का रास्ता बदला जा चुका है। 'सेवन' नाम का एक व्यापारिक जहाज, जिसे शनिवार को अरब सागर में अमेरिकी सेना ने रोका था, अब अमेरिकी निर्देशों के अनुसार वापस ईरान की ओर जा रहा है और उसकी निगरानी की जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 अप्रैल को घोषणा की थी कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या वहां से निकलने की कोशिश करने वाले जहाजों को रोकना शुरू कर देगी। उनका यह फैसला पाकिस्तान में 11 और 12 अप्रैल को यूएस-ईरान के बीच हुई बातचीत के पहले दौर के बाद आया, जिसमें कोई शांति समझौता नहीं हो पाया था।

ट्रंप के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने चेतावनी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को खतरा पहुंचा, तो इसका असर पूरी दुनिया के व्यापार पर पड़ेगा।

भारत में रूसी दूतावास ने चलाया सफाई अभियान, राजदूत डेनिस बोले- युवाओं की सक्रियता सबसे जरूरी

नई दिल्ली। भारत में रूस के दूतावास ने अखिल राष्ट्रीय पर्यावरण परियोजना (ऑल-रशियन नेशनल एनवायर्नमेंटल प्रोजेक्ट) 'वी स्टैंड फॉर क्लीननेस' के हिस्से के तौर पर एक सफाई अभियान चलाया। रूसी दूतावास की तरफ से चलाया गया यह कार्यक्रम भारत के 'स्वच्छ भारत' अभियान को समर्पित है।

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव उनकी पत्नी डायना अलीपोव और रूसी डिप्लोमैटिक मिशन के सदस्यों ने इस सफाई अभियान में हिस्सा लिया। सफाई अभियान को लेकर रूसी राजदूत ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ खास बातचीत की।

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा, 'हम सफाई के लिए एक साथ खड़े हैं। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया है और भारत और रूस की सफाई में अपना छोटा सा योगदान दिया है। मैं कह रहा था कि ऐसा लगता है कि एनडीएमसी ने हमारे करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं छोड़ा है, लेकिन फिर भी हम आज सुबह इस इवेंट को शुरू करके, दुनिया, भारत और रूस की सफाई में अपना छोटा सा योगदान देकर खुश हैं।'

रूसी राजदूत ने अर्थ डे को लेकर कहा, 'अर्थ डे, क्लाइमेट के मुद्दे, ये सभी पहलू आपस में जुड़े हुए हैं। और हम जितने साफ-सुथरे रहेंगे, अपने देशों को जितना साफ-सुथरा बनाएंगे, पूरी दुनिया के लिए उतना ही अच्छा होगा, यह जलवायु के लिए भी बेहतर होगा।'

उन्होंने कहा कि युवाओं को ऐसे आंदोलनों में सबसे ज्यादा सक्रिय रूप से हिस्सा लेना चाहिए। आज सुबह हमारे साथ हमारे कुछ बच्चे भी हैं। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं और भारत में ऐसे बहुत सारे लोग हैं।

प्रदूषण को लेकर रूसी राजदूत ने कहा, 'मेरा मानना है कि प्रदूषण हर देश के लिए एक बड़ा मुद्दा है। भारत को प्रदूषण से बहुत नुकसान हुआ है। और ऐसे वॉलंटियर मूवमेंट, वे निश्चित रूप से ऐसे मुद्दों से निपटने में मदद करते हैं। लेकिन यह एक ग्लोबल चुनौती है, सिर्फ भारत की चुनौती नहीं। हम जितने करीब आएंगे, जितने ज्यादा मजबूत कदम उठाएंगे, यह दुनिया के लिए और क्लाइमेट के मुद्दों से निपटने के लिए उतना ही बेहतर होगा।'

रूसी राजदूत की पत्नी डायना अलीपोवा ने कहा, 'लोगों को सिखाना जरूरी है, उन्हें लीड करना नहीं। यह सबसे जरूरी बात है। इस तरह की पहल असल में सबके लिए, बड़ों के लिए, युवा जेनरेशन के लिए एक मिसाल कायम करती है। सबसे पहले, यह सोचना है कि कूड़ा न फैलाएं। जब आप अपने आस-पास की सफाई का अभ्यास करते हैं, तो यह आपको अपने अगले कदम के बारे में सोचने पर मजबूर करता है।'

उन्होंने कहा कि आपको अपनी जगह, अपने शहर, अपने गांव को आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ रखना चाहिए।

माली में हुई हिंसक वारदातों से यूएन चीफ बहुत चिंतित : प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस माली में घटी हिंसक वारदातों से बहुत चिंतित हैं, और उन्होंने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि यूएन चीफ ने मालीवासियों के साथ एकजुटता दिखाई, और आम जनता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया है।

बयान में कहा गया, 'महासचिव ने साहेल में हिंसक कट्टरपंथ और आतंकवाद के बढ़ते खतरे से निपटने और तुरंत मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अपील की है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को पूर्ण सहयोग और आपसी तालमेल से चुस्त दुरुस्त बनाने का आग्रह किया।'

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, माली की ट्रांजिशनल सरकार ने शनिवार शाम को कहा कि हथियारबंद आतंकवादी गुट ने दिन में देश के कई शहरों पर मिलकर हमले किए, जिसमें 16 लोग घायल हो गए।

इसमें आगे कहा गया कि माली के रक्षा और सुरक्षा बलों ने हमलों पर काबू पा लिया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए और हमलावरों की योजना को नाकाम कर दिया गया। सरकार ने एक बयान में कहा कि हमलों में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिनमें काटी, सेवरे, गाओ और किडाल के गैरीसन शहर और राजधानी बमाको शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि घायलों को मेडिकल केंद्र ले जाया गया, जिनमें कई आम लोग और कुछ सैन्यकर्मी शामिल हैं, वहीं सामान का नुकसान कम हुआ है।

एनएसए अजीत डोभाल ने यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात की; द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय स्थिति पर हुई चर्चा

अबू धाबी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों, इलाके के हालात और आपसी लाभ के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा, 'एनएसए अजीत डोभाल ने यूएई का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया। व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के उपायों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हित के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की गई।'

इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर के दो दिन के दौरे के बाद यह भारत की ओर से यूएई का दूसरा उच्च स्तरीय दौरा है।

इस महीने की शुरुआत में, विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया।

मीटिंग के दौरान, डॉ. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया।

दुबई के क्राउन प्रिंस, शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मीटिंग के दौरान मौजूद थे। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं और पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमारा शुक्रिया। भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके गाइडेंस के लिए उनका धन्यवाद।'

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कॉल के दौरान शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलकर अच्छा लगा। दुबई में भारतीय समुदाय की भलाई पक्का करने के लिए हमारी सरकार की सरकार की।' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 11 अप्रैल को यूएई के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ वेस्ट एशिया में बदलते हालात और इसके बड़े असर पर बातचीत की। विदेश मंत्री ने भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी और आगे बढ़ेगी।

पूर्व डिप्लोमैट ने ट्रंप की डिनर पार्टी में फायरिंग की घटना को सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला बताया

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान शूटिंग की घटना को लेकर भारत के पूर्व डिप्लोमैट्स ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत की। भारत के पूर्व डिप्लोमैट्स ने इस घटना को सुरक्षा में बड़ी चूक बताया। पूर्व डिप्लोमैट केपी फैबियन ने हमले का ईरान के साथ कनेक्शन को लेकर कहा कि इसके अभी तक कोई संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन जांच की जानी चाहिए।

शूटिंग को लेकर पूर्व डिप्लोमैट केपी फैबियन ने कहा, 'कुछ बातें साफ हैं। पहली, यह बहुत राहत की बात है कि न तो प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप, न ही फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और न ही कोई मेहमान घायल हुआ। हालांकि, एक सिक्योरिटी एजेंट घायल हुआ है और अपराधी को पकड़ लिया गया है। दूसरी, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शांति और संयम दिखाया। वह कंट्रोल में दिखे और भावुक नहीं थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया के नेता जरूर इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे। एफबीआई से उम्मीद है कि वह आरोपी के संपर्क, संचार और सोशल मीडिया एक्टिविटी की जांच करेगी ताकि यह पता चल सके कि उन पर कोई असर हुआ था या उन्हें मैनिपुलेट किया गया था।' अमेरिका और ईरान के बीच काफी तनाव है, ऐसे में लोग इस हमले का कनेक्शन तेहरान से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसे लेकर पूर्व डिप्लोमैट ने कहा, 'अभी किसी विदेशी इंटेलिजेंस एजेंसी के शामिल होने का कोई संकेत नहीं है, क्योंकि प्रेसिडेंट ट्रंप बिना किसी इमोशन के चीजों को समझदारी से देखने में काबिल हैं, तो उन्हें अमेरिका और ईरान के बीच जो हो रहा है।

अफगानिस्तान : ड्रग्स तस्करी के खिलाफ अभियान में 80 लोग गिरफ्तार

काबुल। गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अफगान कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने देश के अलग-अलग प्रांतों में चलाए गए ऑपरेशन के दौरान ड्रग्स तस्करी के आरोप में 80 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि नारकोटिक्स के खिलाफ काम करने वाली पुलिस ने कई इलाकों में छापेमारी की, जिसमें बड़ी मात्रा में अवैध सामान बरामद हुआ। इसमें चरस, नशीली गोलियां और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामग्री शामिल है।

बयान में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां देशभर में चल रहे उस अभियान का हिस्सा हैं, जिसका मकसद ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाना और इसके नेटवर्क को खत्म करना है। अधिकारियों ने दोहराया कि वे नशीले पदार्थों के उत्पादन, तस्करी और बिक्री के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज करेंगे।

काउंटर-नारकोटिक्स के प्रांतीय निदेशक कारी वहीदुल्लाह मतावाकिल ने 15 अप्रैल को बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में पुलिस ने 100 किलो से ज्यादा अलग-अलग तरह के ड्रग्स को सार्वजनिक रूप से जलाकर नष्ट किया। इसमें चरस, हेरोइन, अफीम और हजारों की संख्या में उत्तेजक गोलियां शामिल थीं। हालांकि, उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। अधिकारी ने कहा कि किसी को भी प्रांत में अवैध ड्रग्स बनाने या तस्करी करने की इजाजत नहीं है और जो भी कानून तोड़ेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। अफगानिस्तान सरकार ने हाल के महीनों में ड्रग्स के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है। पुलिस ने देशभर में सैकड़ों एकड़ में लगी अफीम की खेती नष्ट की है और कई टन नशीले पदार्थों को जला दिया है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से करोड़ों के भुखमरी की चपेट में आने का खतरा बढ़ा : यूएन

नई दिल्ली/कोपेनहेगन। संयुक्त राष्ट्र ने होर्मुज स्ट्रेट की बंदी से होने वाले खतरे की ओर दुनिया का ध्यान दिलाया है। दावा किया कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो करोड़ों लोग भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रोजेक्ट सर्विसेज कार्यालय (यूएनओपीएस) ने एक्स पोस्ट में आंकड़ों के साथ ये बात कही है। इसमें मीडिया आउटलेट अल जजीरा से बातचीत का एक वीडियो क्लिप भी जारी किया गया है। स्पष्ट कहा गया है कि अगर किसानों को जरूरी फर्टिलाइजर नहीं मिला, तो 45 मिलियन लोगों के भुखमरी की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाएगा। एजेंसी के कार्यकारी निदेशक जॉर्ज मोरेइरा दा सिल्वा के अनुसार भूख-भुखमरी का असर लंबे समय तक महसूस किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की बंदी से वैश्विक उर्वरक आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि यदि समुद्री आपूर्ति बाधित रही तो दुनिया के करोड़ों लोग भूख और अकाल जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं।

जॉर्ज मोरेइरा दा सिल्वा के अनुसार उर्वरक सप्लाई में रुकावट वैश्विक मानवीय संकट को जन्म दे सकती है। मौजूदा समय बुआई का है और ऐसे में उर्वरक किसानों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो लाखों लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। इसका असर लंबे समय तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से उर्वरक आयात करने वाले देशों जैसे सूडान, सोमालिया, और मोजाम्बिक पर असर पड़ रहा है। पूरे फर्टिलाइजर मार्केट में उथल-पुथल मची है। 'यूरिया की कीमत 65 फीसदी तो अमोनिया की कीमत 40 फीसदी बढ़ गई। तो मुद्दा महज तैयार खाद का नहीं है, बल्कि कच्चे माल की बढ़ती कीमतों का भी है।'

मणिपुर हिंसा पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार ने मंजूर की 947 करोड़ रुपए से ज्यादा राशि

इंफाल। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर सरकार द्वारा राज्य में जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को आश्रय प्रदान करने के लिए स्थापित राहत शिविरों के संचालन के लिए 424.36 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

राज्य गृह विभाग के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिंसा से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास के लिए 523 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए हैं। ये विवरण मणिपुर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरेश्वर गोस्वामी द्वारा दायर एक आरटीआई याचिका के जवाब में साझा किए गए थे।

गृह विभाग ने बताया कि राज्य में 3 मई, 2023 से 30 मार्च 2026 तक जातीय हिंसा के कारण गांवों में रहने वाले 58,881 लोग विस्थापित हुए हैं। आरटीआई के जवाब के अनुसार, 10 मार्च 2026 तक 174 राहत शिविर कार्यरत थे। इसके अतिरिक्त, विस्थापित व्यक्तियों के लिए अस्थायी आवास प्रदान करने के लिए मणिपुर पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 3,000 पूर्वनिर्मित घरों का निर्माण किया गया है।

विभाग ने बताया कि मृतकों के परिजनों को किए गए अनुग्रह भुगतान के आधार पर हिंसा के संबंध में 217 मौतों को दर्ज किया गया है। हिंसा के कारण निजी और सरकारी संपत्तियों का भी व्यापक विनाश हुआ है, जिसमें 3 मई 2023 से अब तक 7,894 स्थायी मकान पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं और 2,646 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

पहाड़ी जिलों में आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद 3 मई, 2023 को मैतेई और कुकी-ज़ो समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़क उठी। यह मार्च मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में आयोजित किया गया था। मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मैतेई समुदाय से आता है और वे मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहते हैं, जिसमें पांच से छह जिले शामिल हैं। नागा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदाय आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं और वे मुख्य रूप से राज्य के ग्यारह पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण से पहले चुनाव आयोग सख्त

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी चुनावों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने सभी अधिकारियों से कहा है कि किसी तरह का लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, आयोग ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त (सीपी), सभी उपायुक्त (डीसीपी), जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित थाना स्तर तक के अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि यदि किसी भी अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में किसी व्यक्ति के पास विस्फोटक सामग्री पाई जाती है या डराने-धमकाने की कोई रणनीति अपनाई जाती है, तो संबंधित थाना प्रभारी को इसके लिए सीधे जिम्मेदार माना जाएगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी को अभूतपूर्व परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, आयोग ने सभी पुलिस अधिकारियों को अगले 24 घंटों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान किसी भी प्रकार की अवैध या संदिग्ध सामग्री, विशेषकर विस्फोटक पदार्थों को तत्काल जब्त करने को कहा गया है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग का यह कदम चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। आयोग का मानना है कि किसी भी प्रकार की हिंसा या धमकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसे हर हाल में रोका जाना जरूरी है।

संक्षिप्त खबर

बिहार में गर्मी ने तेवर दिखाना शुरू किया, पटना में पूर्वाह्न 11.30 बजे तक ही चलेंगे

पटना। बिहार में अभी अप्रैल में ही मौसम ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में तपती धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। सड़कों पर भी दोपहर में भीड़ कम देखी जा रही है। इस बीच पटना जिला प्रशासन ने दिन के 11.30 बजे के बाद वर्ग आठ तक के स्कूलों में शिक्षण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पटना जिला अधिकारी त्यागराजन एसएम ने रविवार को जिले में रह रहे अधिक तापमान, विशेष रूप से दोपहर के समय पड़ रही भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में वर्ग आठ तक (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) की गतिविधियों पर पूर्वाह्न 11:30 बजे के बाद प्रतिबंध लगा दिया है।

जिला प्रशासन ने कहा कि यह आदेश 30 अप्रैल तक लागू रहेगा। इधर, राहत की बात है कि पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान पटना सहित आसपास इलाकों का मौसम शुष्क और आंशिक बादल छाए रहने के साथ उमस वाली गर्मी का प्रभाव बने रहने की संभावना जताई है।

पूर्वानुमान में कहा गया है कि अगले 3-4 दिनों के दौरान राज्य के अनेक भागों के अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की उम्मीद है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 33.6 से 44.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं दर्ज किया गया। विगत 24 घंटों के दौरान किशनगंज एवं अररिया जिले के एक या दो स्थानों में भारी वर्षा और उत्तर भाग के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जबकि शेष जिलों का मौसम शुष्क बना रहा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने जनगणना 2027 के तहत 'स्व-गणना' में अपना विवरण दर्ज कराया

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना में भाग लिया और आधिकारिक वेब पोर्टल के माध्यम से अपना विवरण दर्ज कराकर प्रक्रिया पूरी की।

इस अवसर पर, जनगणना अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्व-गणना की प्रक्रिया और महत्व के बारे में जानकारी दी और सटीक एवं कुशल डेटा संग्रह सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों से जनगणना में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्व-गणना सुविधा का उपयोग करने का आग्रह किया, और इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी योजना और विकास के लिए जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आरवी कर्णन, संयुक्त प्रधान जनगणना अधिकारी प्रियंका अला, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त चेक्का प्रियंका और अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेलंगाना के कोर अर्बन रीजन (सीयूआरई) में जनगणना 2027 का स्व-गणना चरण रविवार से शुरू हुआ और 10 मई तक चलेगा।

यह प्रक्रिया ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), साइबराबाद नगर निगम और मलकाजगिरि नगर निगम को एक ही जनगणना इकाई के रूप में शामिल करती है।

15 दिनों की इस अवधि के दौरान, निवासी स्वेच्छा से आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी ने बताया कि पोर्टल में आवास, सुविधाओं और संपत्तियों से संबंधित 33 प्रश्न शामिल हैं।

निवासी प्रतिदिन सुबह 6 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक लॉग इन कर सकते हैं। किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है और इस प्रक्रिया में 15-20 मिनट लगने की उम्मीद है। जानकारी जमा करने के बाद, परिवारों को एक स्व-गणना आईडी (एसई आईडी) प्राप्त होगी, जिसे सत्यापन के दौरान गणनाकर्ताओं के साथ साझा करना अनिवार्य है।

टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1855, सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यरत रहेगी। जीएचएमसी 'स्व-गणना महोत्सव - 15 दिन' शीर्षक से एक जागरूकता अभियान भी चलाएगा, जिसका विषय है 'स्वयं करें - गणनाकर्ता का इंतजार न करें'। ऑनलाइन चरण के बाद, घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने और दीवारों पर चिह्न लगाने सहित गृह सूचीकरण अभियान (एचएलओ) 11 मई से 9 जून तक चलेगा।

भारतीय सेना की राइजिंग स्टार कॉर्प्स ने दिखाई 'रेकी वॉरियर्स' की ताकत

नई दिल्ली। भारतीय सेना की राइजिंग स्टार कॉर्प्स ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक खास पोस्ट शेयर करते हुए 'रेकी वॉरियर्स' की ताकत और क्षमताओं को उजागर किया है।

आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'अदृश्य नजरें, बेजोड़ सटीकता। फ्लेउरडेलिस रेकी वॉरियर्स ने अपनी निगरानी, स्थिति के बारे में जागरूकता और तेजी से जवाब देने की स्किल्स को बेहतर बनाया।'

दरअसल, 'रेकी वॉरियर्स' भारतीय सेना की विशेष और बेहद प्रशिक्षित स्काउटिंग यूनिट्स होती हैं, जो सीमा के पीछे जाकर खुफिया जानकारी जुटाने का काम करती हैं। इनका मुख्य लक्ष्य बिना नजर आए, तेजी और सटीकता के साथ दुश्मन की गतिविधियों और इलाके की जानकारी जुटाना होता है, ताकि सेना के कमांडर सही और तेज फैसले ले सकें।

संरचना की बात करें तो भारतीय सेना की हर आर्मर्ड रेजिमेंट और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन में एक रेकी ट्रूप शामिल होता है। एक सामान्य ट्रूप में करीब एक अधिकारी और 30 जवान होते हैं। ये सैनिक कठिन परिस्थितियों में ट्रेनिंग लेते हैं और अक्सर डेजर्ट कॉर्प्स (कोणार्क कॉर्प्स) और व्हाइट टाइगर डिवीजन जैसी यूनिट्स द्वारा आयोजित हाई-इंटेंसिटी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं, जहां उनकी सहनशक्ति, दिशा ज्ञान और छिपकर काम करने की क्षमता को परखा जाता है।

बोकारो : पत्नी ने मायके जाने की जिद की तो गुस्साए पति ने कुल्हाड़ी से काट डाला

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामडीह गांव के चाकुलिया टोला में विकास कुमार नामक शख्स ने 25 वर्षीय पत्नी शानु देवी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। संवेदनहीनता की पराकाष्ठा यह रही कि हत्या के बाद आरोपी पति विकास रजवार रात भर पत्नी के खून से सने शव के बगल में ही सोता रहा। इस घटना की जानकारी परिवार के लोगों को रविवार को हुई।

पुलिस और ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात को शानु देवी ने पति विकास से मायके जाने की इच्छा जाहिर की थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गुस्साए विकास ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाई और सो रही पत्नी पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। कुल्हाड़ी के गहरे जख्मों के कारण शानु देवी की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी विकास शराब पीने का आदी था। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद वह दोबारा बाहर गया, शराब पी और घर लौटकर मृत पत्नी के शव के पास ही जाकर सो गया। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा रविवार रात करीब 10 बजे हुआ। जब काफी देर तक पति-पत्नी के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो विकास के पिता, शक्त पद रजवार, उन्हें जगाने पहुंचे।

अंदर का दृश्य देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बिस्तर पर बहू का लहूलुहान शव पड़ा था और पास ही बेटा सो रहा था। पूछने पर विकास ने बिना किसी पछतावे के पिता के सामने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी विकास रजवार को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है।

भामा शाह जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के 12 दिन बाद नीतीश कुमार रविवार को पटना स्थित जदयू कार्यालय पहुंचे, जहां वे भामाशाह जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान जदयू कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और नीतीश कुमार ने खुद पर बने गाने पर ताली बजाई। जेडीयू कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का भी गर्मजोशी से स्वागत किया। संगीतमय स्वागत समारोह ने समर्थकों में उत्साह का माहौल बना दिया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री श्रवण कुमार, अशोक चौधरी और लेशी सिंह भी शामिल हुईं। जेडीयू नेता लेशी सिंह ने कहा, 'भामा शाह का जीवन अमर है। वे भामा शाह के नाम से जाने जाते हैं, जो अपने बलिदान और उदारता के लिए प्रसिद्ध हैं। सैकड़ों वर्षों बाद भी उनकी कहानी आज भी याद की जाती है।' पूर्व मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, 'हम सभी भामा शाह का आशीर्वाद लेने आए हैं। आज के कार्यक्रम का उद्घाटन नीतीश कुमार ने किया।

ममता बनर्जी का कुशासन बनेगा बंगाल में भाजपा सरकार बनने की वजह : स्मृति ईरानी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर टीएमसी और भाजपा के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही है। पहले चरण की 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग के बाद भाजपा खेमा उत्साह से भरा हुआ है। पार्टी नेताओं को पूरा विश्वास है कि इस बार भाजपा बंगाल में सरकार बनाने जा रही है।

भाजपा के इस आत्मविश्वास को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान ने और मजबूती दे दी है। राहुल ने चुनाव के बीच दावा किया कि ममता बनर्जी का भ्रष्टाचार बंगाल में भाजपा के लिए दरवाजा खोल चुका है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल के इस बयान पर तंज कसते हुए कहा कि अब तो वे खुद भी मान चुके हैं कि बंगाल में भाजपा की सरकार बन रही है।

कोलकाता में आईएएनएस से बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि यह कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों का एक बहुत पुराना तंत्र है। प्रदेश में कटी और केंद्र में बंटी। मैं तो बस इतना ही कहूंगी कि राहुल गांधी ने खुद यह मान लिया है कि इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन रही है और भाजपा सरकार बनने की वजह सिर्फ एक है-ममता बनर्जी का कुशासन। बंगाल ने टीएमसी के 15 साल के 'गुंडा राज' को झेला है, जिसने राज्य को डर, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पतन की ओर धकेल दिया।

दिल्ली में इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट का भांडाफोड़, 5 करोड़ की कोकीन जब्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटरस्टेट सेल (आईएससी) ने नशे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस 2 आरोपियों के साथ करीब 500 ग्राम हाई-क्वालिटी कोकीन (क्रैंक) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह नशीला पदार्थ दिल्ली और एनसीआर इलाके में सप्लाई किया जा रहा था।

यह पूरी कार्रवाई इंस्पेक्टर सतेंद्र खारी के नेतृत्व में की गई, जिसमें एसआई संदीप, विनीत, अमित, अर्जुन, एएसआई रंधीर, हेड कांस्टेबल सनोज और कांस्टेबल विकास की टीम शामिल थी। पूरे ऑपरेशन की निगरानी एसीपी आर.एस. लांबा कर रहे थे।

10 अप्रैल 2026 को पुलिस को एक पुख्ता सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गाजियाबाद राउंडअबाउट, दिल्ली के पास ड्रग्स की सप्लाई करने आने वाला है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और जावेद हुसैन (29 वर्ष) निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश को मौके से पकड़ लिया। उसके पास से 456 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद हुई।

इस मामले में थाना क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत एफआईआर दर्ज की गई और आगे की जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी जावेद ने खुलासा किया कि यह नशा उसे बरेली के ही रहने वाले सोइब खान (25 वर्ष) से मिला था। इसके बाद पुलिस ने जावेद को रिमांड पर लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की और 22 अप्रैल को स्थानीय पुलिस की मदद से बरेली में छापेमारी की। इस दौरान सप्लायर सोइब खान को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में पुलिस को कई अहम सुराग भी मिले हैं। जावेद हुसैन दिल्ली की एक जींस फैक्ट्री में काम करता था, हालांकि दोनों ही आरोपियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। दोनों ही कम पढ़े-लिखे हैं और पहली बार इस तरह के गंभीर मामले में पकड़े गए हैं। फिलहाल सोइब खान पुलिस रिमांड पर है और उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पचपदरा रिफाइनरी में लगी आग की वजह लीकेज, मई के दूसरे पखवाड़े में शुरू होगा संचालनः एचपीसीएल

नई दिल्ली । हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कहा है कि राजस्थान स्थित उसके संयुक्त उद्यम रिफाइनरी में लगी आग का संभावित कारण क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट के प्रेशर गेज से हुआ रिसाव था। कंपनी के अनुसार, मरम्मत कार्य तीन से चार सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद मई के दूसरे पखवाड़े में रिफाइनरी का संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

20 अप्रैल को राजस्थान के पचपदरा में 79,450 करोड़ रुपए की लागत से बनी एचपीसीएल रिफाइनरी में आग लग गई थी। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित उद्घाटन से एक दिन पहले हुई थी। आग रिफाइनरी की मुख्य यूनिट यानी क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में लगी थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह आग हीट एक्सचेंजर सर्किट में वाल्व या फ्लैंज से हुए हाइड्रोकार्बन लीकेज के कारण लगी थी।

स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा कि 20 अप्रैल की घटना की विस्तृत जांच में पता चला है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित थी, जिससे 6 हीट एक्सचेंजर और उनसे जुड़े उपकरण प्रभावित हुए।

कंपनी ने कहा, ''मौके के हालात और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना जा रहा है कि आग की वजह वैक्यूम रेजिड्यू एक्सचेंजर की इनलेट लाइन पर लगे प्रेशर गेज के पॉइंट से लीकेज होना था।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा, ''मरम्मत का काम जारी है और इसके अगले 3-4 हफ्तों में पूरा होने की उम्मीद है। क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट को मई 2026 के दूसरे पखवाड़े में फिर से शुरू करने की संभावना है।''

कंपनी ने यह भी कहा कि रिफाइनरी की अन्य सेकेंडरी यूनिट्स का कमीशनिंग कार्य अंतिम चरण में है और योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और नेफ्था जैसे प्रमुख ईंधनों का ट्रायल प्रोडक्शन मई के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद यूनिट्स को स्थिर कर पूरी तरह चालू किया जाएगा।

रिफाइनरी के 21 अप्रैल को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम को फिलहाल टाल दिया गया है। नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस घटना की अलग से जांच शुरू कर दी है। इस जांच के लिए एमआरपीएल के पूर्व प्रबंध निदेशक एम. वेंकटेश की अगुवाई में चार सदस्यीय टीम बनाई गई है।

दुनियाभर में रिफाइनरियों में कमीशनिंग और स्टार्टअप के दौरान आग, विस्फोट और बड़े हादसों का खतरा अधिक रहता है, क्योंकि इसी समय नए या मेंटेन किए गए हाई-प्रेशर और हाई-टेम्परेचर सिस्टम में हाइड्रोकार्बन डाले जाते हैं।

केंद्र सरकार ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि यह रिफाइनरी परियोजना 1 जुलाई से व्यावसायिक संचालन शुरू करने वाली थी।

ओडिशा का पारंपरिक सुपरड्रिंक, जो स्वाद के साथ रखे सेहत का भी ख्याल

पुरी । ओडिशा की पारंपरिक रसोई में एक ऐसा खास पेय है जो न सिर्फ गर्मियों में शरीर को ठंडक देता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे कहते हैं टंका तोरानी। यह पेय भगवान जगन्नाथ के मंदिर में महाप्रसाद के रूप में दिया जाता है और खास बात यह है कि इसे एक दिन पुराने पके चावल से तैयार किया जाता है।

आमतौर पर टंका तोरानी गर्मियों के मौसम में ज्यादा पसंद किया जाता है, क्योंकि यह शरीर को अंदर से ठंडा रखता है और प्यास भी अच्छे से बुझाता है। इसलिए ओडिशा के घरों में यह आज भी बड़े चाव से बनाया और पिया जाता है।

टंका तोरानी बनाने की प्रक्रिया भी बहुत दिलचस्प है। इसमें एक दिन पुराने पके हुए चावल को पानी में डालकर रात भर के लिए छोड़ दिया जाता है, ताकि हल्का फर्मेंटेशन (खमीर उठना) हो सके। इसके बाद अगले दिन इसे हाथों से अच्छे से मसल दिया जाता है और इसमें दही मिलाया जाता है।

इसके स्वाद को और बढ़ाने के लिए इसमें कई तरह की चीजें डाली जाती हैं जैसे मांगा अदरक, करी पत्ते, नींबू के टुकड़े, हरी मिर्च, धनिया पत्ता, भुना हुआ जीरा पाउडर और काला नमक। कुछ लोग इसमें पानी मिलाकर इसे और पतला कर देते हैं ताकि यह एक ठंडा और हल्का ड्रिंक बन जाए।

जब यह तैयार हो जाता है तो इसका स्वाद थोड़ा खट्टा, थोड़ा मसालेदार और बेहद ताजगी देने वाला होता है। गर्मी में यह शरीर को राहत देने का काम करता है और थकान को भी कम करता है।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, टंका तोरानी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है, क्योंकि यह एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक पेय है, जो पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करता है। इससे पाचन बेहतर होता है और पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस या भारीपन कम हो जाता है।आज के समय में जब लोग तरह-तरह के कोल्ड ड्रिंक और पैकेट वाले पेय पदार्थों की तरफ बढ़ रहे हैं, ऐसे में टंका तोरानी जैसे पारंपरिक पेय हमें हमारी जड़ों और सेहत दोनों से जोड़ते हैं। यह बिना किसी केमिकल के, पूरी तरह प्राकृतिक और घरेलू सामग्री से बनता है।

पाकिस्तानः इस साल के शुरुआती चार महीनों में ही खसरे से 71 बच्चों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इस साल के शुरुआती चार महीनों में ही खसरे की वजह से 71 बच्चों की मौत हो गई है। सिंध में सबसे ज्यादा 40 बच्चे इसका शिकार हुए। रविवार को स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान के जाने-माने दैनिक डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के शुरुआती चार महीनों में खसरे से मरने वाले 71 बच्चों में से सिंध के बाद पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा का नंबर आता है। दोनों प्रांतों में 12-12 बच्चों की मौत हुई, जबकि बलूचिस्तान के चार बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

2026 के जनवरी से अप्रैल तक पाकिस्तान में खसरे के 4,541 मामले सामने आए हैं, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा में 1,712, पंजाब में 1,198, सिंध में 1,183, बलूचिस्तान में 17, इस्लामाबाद में 55, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 151 और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 45 मामले शामिल हैं।

खसरे के अलावा पाकिस्तान में पोलियो से जंग भी एक चुनौती बनी हुई है। वैक्सीन को लेकर लोगों में भरोसा नहीं बन पाया है, और इस कारण से बीमारी की चपेट में कई लोग आ रहे हैं। 2026 में ही, सिंध के सुजावल में पोलियो

का एक मामला सामने आया था।

2024 में पोलियो के 74 मामले रिपोर्ट हुए, जबकि 2025 में 31 मामले रिपोर्ट हुए थे। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध में 2025 में पोलियो के नौ मामले दर्ज किए गए, जिसमें लगभग 80 फीसदी एनवायरनमेंटल सैंपल वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए।

हालांकि हाल ही में, सिंध के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पोलियो से लड़ने में काफी हद तक सफलता मिली है, और एनवायरनमेंटल पॉजिटिविटी रेट घटकर 24 फीसदी हो गया है।

पाकिस्तान पीडियाट्रिक एसोसिएशन की तरफ से खालिद शफी ने कहा, 'हालांकि सरकार अपनी कोशिशें जारी रखे हुए है, लेकिन रेगुलर इम्यूनाइजेशन को लेकर कई चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती वैक्सीन को लेकर हिचकिचाहट है।' उन्होंने लोगों को पोलियो के खिलाफ बच्चों को वैक्सीन लगाने के बारे में जागरूक करने के लिए स्ट्रेटेजी बनाने की अपील की। स्थानीय मीडिया आए दिन पोलियो टीम की सुरक्षा में तैनात कर्मियों पर हमले की खबर रिपोर्ट करती रही है।

13 अप्रैल को ही पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में पोलियो टीमों को सुरक्षा देने जा रही ।

क्या ग्रह सच में तारों का चक्कर लगाते हैं? जानिए बेरीसेंटर का विज्ञान

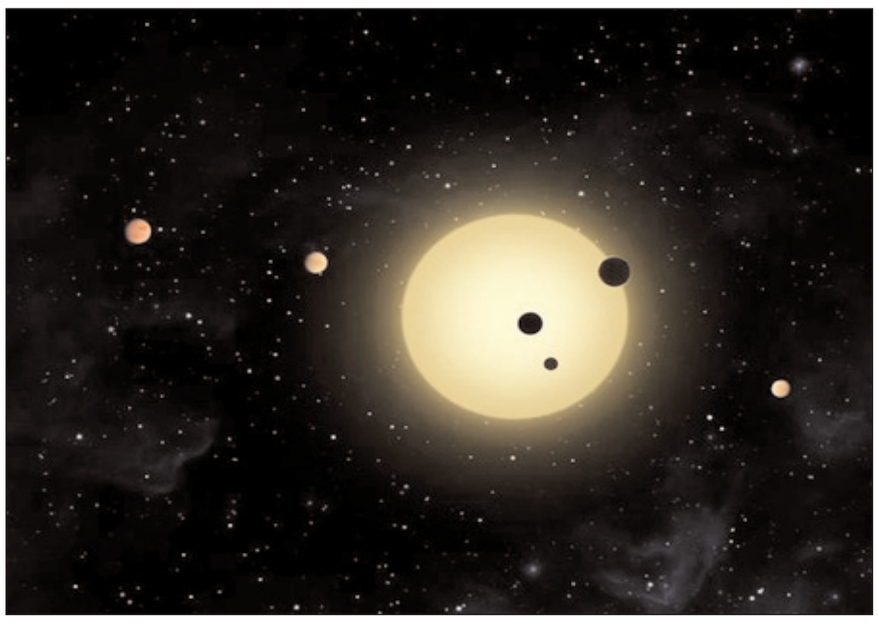

नई दिल्ली । हम अक्सर पढ़ते हैं कि ग्रह अपने तारों का चक्कर लगाते हैं, लेकिन विज्ञान की नजर में यह पूरी तरह सही नहीं है। असल में ग्रह और तारे दोनों एक साझा बिंदु के चारों ओर घूमते हैं, जिसे 'बेरीसेंटर' कहा जाता है। यही अवधारणा स्पेस साइंस को समझने और नए ग्रहों की खोज में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बेरीसेंटर को सरल भाषा में समझें तो यह किसी भी दो या उससे अधिक वस्तुओं का संयुक्त द्रव्यमान केंद्र यानी सेंटर ऑफ मास होता है। हर वस्तु का अपना द्रव्यमान केंद्र होता है- वह बिंदु जहां उसका पूरा भार संतुलित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक साधारण रूलर को उंगली पर संतुलित करने से उसका द्रव्यमान केंद्र आसानी से पता चल जाता है।

हालांकि, सभी वस्तुओं का द्रव्यमान केंद्र उनके ठीक बीच में नहीं होता। यदि किसी वस्तु का एक हिस्सा ज्यादा भारी है, तो उसका द्रव्यमान केंद्र उसी दिशा में खिसक जाता है। यही सिद्धांत अंतरिक्ष में भी लागू होता है।

अंतरिक्ष में जब दो खगोलीय पिंड- जैसे कोई ग्रह और तारा एक-दूसरे के गुरुत्वाकर्षण से बंधे होते हैं, तो वे किसी एक के चारों ओर नहीं, बल्कि अपने साझा द्रव्यमान केंद्र यानी बेरीसेंटर के चारों ओर घूमते हैं। आमतौर पर यह बिंदु उस पिंड के ज्यादा करीब होता है जिसका द्रव्यमान अधिक होता है।

उदाहरण के तौर पर सूर्य और पृथ्वी को लें। सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है, इसलिए इन दोनों का बेरीसेंटर सूर्य के केंद्र के बेहद करीब होता है। इसी कारण हमें लगता है कि पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगा रही है। लेकिन मामला तब दिलचस्प हो जाता है जब हम बृहस्पति को देखते हैं। बृहस्पति का द्रव्यमान बहुत अधिक है, जिसके कारण उसका और सूर्य का बेरीसेंटर सूर्य के बाहर स्थित हो सकता है। ऐसे में सूर्य खुद भी हल्का-सा 'डगमगाता' हुआ दिखाई देता है।

दरअसल, हमारे पूरे सौरमंडल का भी एक सामूहिक बेरीसेंटर होता है, जिसके चारों ओर सभी ग्रह और सूर्य घूमते हैं। यह बिंदु स्थिर नहीं रहता, बल्कि ग्रहों की स्थिति के अनुसार बदलता रहता है। कभी यह सूर्य के अंदर होता है, तो कभी उसकी सतह के बाहर।

बेरीसेंटर की यही अवधारणा खगोलविदों को सौरमंडल के बाहर के ग्रहों जिन्हें एक्सोप्लैनेट कहा जाता है को खोजने में मदद करती है।

दूर स्थित तारों के चारों ओर घूमने वाले ग्रहों को सीधे देख पाना बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि उनकी चमक अपने तारे की रोशनी में छिप जाती है। ऐसे में वैज्ञानिक उस तारे की हल्की 'डगमगाहट' को मापते हैं।

यह डगमगाहट इस बात का संकेत होती है कि तारे के चारों ओर कोई ग्रह मौजूद है और दोनों एक साझा बेरीसेंटर के चारों ओर घूम रहे हैं। इसी तकनीक की मदद से अब तक हजारों एक्सोप्लैनेट की खोज की जा चुकी है।

तनाव, कब्ज और कमर दर्द से राहत दिलाता है कुर्मासन, पेट की चर्बी कम करने में भी लाभकारी

नई दिल्ली । आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की दिनचर्या इतनी व्यस्त हो गई है कि तनाव, चिंता, कमर दर्द, कब्ज और थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। घंटों बैठकर काम करने, गलत खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी का असर सीधे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

ऐसे में योग शरीर को फिट रखने और मानसिक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण तरीका बन चुका है। योग के कई ऐसे आसन हैं जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इन्हीं में से एक है कुर्मासन, जिसे अंग्रेजी में टॉरटॉइज पोज, यानी कछुआ मुद्रा, कहा जाता है।

कुर्मासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है। इसमें 'कुर्म' का अर्थ कछुआ और 'आसन' का

अर्थ मुद्रा से होता है। इस आसन में शरीर की मुद्रा कुछ हद तक कछुए जैसी दिखाई देती है। यह आसन व्यक्ति को तनाव से दूर करके भीतर की शांति से जोड़ने का काम करता है।

कुर्मासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को सामने की ओर फैलाए। फिर पैरों को थोड़ा दूर करके घुटनों को हल्का मोड़ लें। धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए शरीर को आगे की ओर झुकाए और दोनों हाथों को घुटनों के नीचे से बाहर की तरफ निकाले। इसके बाद शरीर को और नीचे झुकाकर छाती और ठुड्डी को जमीन के करीब लाने की कोशिश करें। इस दौरान सांस सामान्य रखें। कुछ देर इस स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे वापस सामान्य अवस्था में आ जाए।

कुर्मासन शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। यह आसन पीठ और रीढ़ की हड्डी में खिंचाव पैदा करता है।

जिससे शरीर का लचीलापन बढ़ता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोगों के लिए यह आसन काफी लाभकारी माना जाता है, क्योंकि यह पीठ और कमर की जकड़न को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

टीनएजर्स के लिए संतुलित आहार क्यों जरूरी? जानिए डाइट प्लान

नई दिल्ली । टीनएज (किशोरावस्था) वह समय होता है जब शरीर और दिमाग दोनों बहुत तेजी से बढ़ते हैं। इस उम्र में हाइट बढ़ती है, वजन बदलता है, हार्मोनल बदलाव होते हैं और पढ़ाई का दबाव भी बढ़ जाता है। ऐसे में सिर्फ पेट भरना काफी नहीं होता, बल्कि सही और संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर इस समय शरीर को सही पोषण नहीं मिलता, तो थकान, कमजोरी, ध्यान की कमी और बार-बार बीमार पड़ने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। संतुलित आहार के लिए ऐसा खाना चुनना चाहिए, जिसमें शरीर को जरूरी सभी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, मिनरल्स और फैट सही मात्रा में मिलें। टीनएजर्स के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है क्योंकि यही शरीर की ग्रोथ में मदद करता है। इसके लिए रोजाना दाल, दूध, दही, अंडा, पनीर या चना जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करें।

इसके साथ ही, शरीर में खून की कमी न हो, इसके लिए आयरन भी बहुत जरूरी है। खासकर लड़कियों में माहवारी शुरू होने के बाद आयरन की जरूरत और बढ़ जाती है। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, सरसों, गुड़, चना और दालें खाना फायदेमंद रहता है। इसके साथ नींबू, संतरा या आंवला जरूर लें। इससे शरीर आयरन को बेहतर तरीके से सोख पाता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम भी बहुत जरूरी है। इसके लिए दूध, दही, रागी, तिल और मेथी जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें।

घर का खाना तभी बनेगा हेल्दी, जब अपनाएंगे सही कुकिंग टिप्स

नई दिल्ली। घर का खाना अक्सर सबसे सेहतमंद माना जाता है, लेकिन क्या सिर्फ घर में बना खाना ही काफी है? सच तो यह है कि नहीं। घर का खाना तभी पूरी तरह हेल्दी बनता है जब उसे सही तरीके से पकाया जाए। मतलब सिर्फ अच्छा सामान लाना ही नहीं, बल्कि उसे पकाने का तरीका भी उतना ही जरूरी है। अगर कुकिंग का तरीका गलत हो, तो पौष्टिक चीजें भी फायदा कम देती हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि घर पर बना खाना सेहत के लिए तभी फायदेमंद है जब उसे सही तरीके से बनाया जाए। कई बार लोग खाना बनाते हुए कुछ चीजें नजरअंदाज या गलत

कर देते हैं जिससे खाने का सारा न्यूट्रिशन खत्म हो जाता है और वो सिर्फ पेट भरने के काम आता है। इसलिए सही कुकिंग टिप्स अपनाना बहुत जरूरी है।

सब्जियों को ज्यादा देर तक उबालने से उनके अंदर मौजूद विटामिन और मिनरल खत्म हो सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि सब्जियों को हल्का स्टीम करें या कम पानी में पकाएं। इससे उनका पोषण भी बचता है और स्वाद भी अच्छा रहता है। कोशिश करें कि सब्जियां ज्यादा गलाकर न पकाएं।

दूसरी अहम बात है तेल का इस्तेमाल। कई लोग खाना बनाने में बहुत ज्यादा तेल डालते हैं, जिससे खाना भारी और अनहेल्दी हो जाता है। हमेशा सीमित मात्रा में तेल इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि एक ही तेल को बार-बार गर्म करके इस्तेमाल न करें। इससे उसमें हानिकारक तत्व बन सकते हैं।

दालें और अनाज पकाने से पहले उन्हें कुछ घंटे भिगोना बहुत फायदेमंद होता है। इससे वे जल्दी पकती हैं और पचाने में भी आसान होती हैं। कुछ चीजें जैसे चना या मूंग को अंकुरित करके खाना और भी ज्यादा पौष्टिक होता है।

सुपर ओवर में जीती कोलकाता, लखनऊ को रोमांचक मैच में दी शिकस्त

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 38वें मुकाबले में रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ। यह मुकाबला टाई रहा। इस सीजन के पहले सुपर ओवर में कोलकात ने लखनऊ को मात दी।

मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की शुरुआत खराब रही। 73 के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर चुके थे। हालांकि, रिंकू सिंह के अर्धशतक की बदौलत कोलकाता ने 150 का आंकड़ा पार किया। कोलकाता ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। रिंकू सिंह 51 गेंदों पर 83 रन बनाकर नाबाद रहे। मोहसिन खान ने 5 विकेट चटकाए।

जवाब में लखनऊ की टीम भी 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर शमी ने छक्का लगाकर मैच को टाई करा दिया। इसके बाद सुपर ओवर में लखनऊ ने 1 रन ही बनाया। ऐसे में सुपर ओवर की पहली गेंद पर रिंकू सिंह ने चौका लगाकर कोलकाता की जीत पर मुहर लगा दी।

आईपीएल : धोनी की वापसी में होगी अभी और देरी, हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दिया संकेत

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने संकेत दिया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए महेंद्र सिंह धोनी की वापसी में और देरी होगी। इस अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज को पिंडली की चोट से उबरने के दौरान एक और झटका लगा है।

फैंस को उम्मीद थी कि धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रहने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन माही करीब एक महीने इस टूर्नामेंट से बाहर रह चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान के आठ मैच खेल चुकी है। इस दौरान उनके पूर्व कप्तान एक बार भी मैदान पर नहीं उतरे हैं।

रविवार को गुजरात टाइटंस के हाथों चेन्नई की हार के बाद अपडेट देते हुए, फ्लेमिंग ने बताया कि 42 वर्षीय धोनी की चोट अभ्यास सत्र के दौरान और बढ़ गई, जिससे यह मामला और पेचीदा हो गया। शुरू में इसे एक मामूली समस्या माना जा रहा था।

रविवार को गुजरात टाइटंस के हाथों चेन्नई सुपर किंग्स की हार के बाद मीडिया से बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा, 'वह (धोनी) खेलने के लिए बहुत बेताब हैं। हालांकि, पिंडली की चोट काफी मुश्किल होती है। अगर वह जोर लगाकर दौड़ते हैं और पिंडली की नस फिर से खिंच जाती है, तो वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। इसलिए हमने शुरू में ही, वार्म-अप मैच के दौरान, उन्हें आजमाया था। मेरी जानकारी के अनुसार, उस समय उनकी चोट फिर से उभर आई थी। तब से वह चोट में सुधार लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें एक और झटका लगा, इसलिए वापसी में हमारी उम्मीद से ज्यादा समय लग रहा है।'

वनडे सीरीजः जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तानी महिला टीम घोषित, मोमिना को पहली बार मौका

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज के लिए 15-सदस्यीय महिला टीम घोषित कर दी है। पाकिस्तानी वनडे टीम में पहली बार मोमिना रियासत को मौका दिया गया है। यह सीरीज 3 से 9 मई के बीच खेली जाएगी। यह सीरीज आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप 2025-2029 के चक्र का हिस्सा है।

ऑलराउंडर फातिमा सना टीम की कमान संभालेंगी, जिनका मकसद साउथ अफ्रीका के हालिया दौरे के बाद पाकिस्तान के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है, जहां टीम को वनडे और टी20 दोनों सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

जिम्बाब्वे के खिलाफ चुनी गई पाकिस्तानी टीम में अनुभवी और नए चेहरों का मिश्रण है। आलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बेग और सिदरा अमीन के साथ-साथ विकेटकीपिंग के लिए मुनीबा अली और नजीहा अल्वी शामिल हैं। गेंदबाजों में नाशरा संधू, रमीन शमीम और तस्मिया रुबाब को भी टीम में जगह दी गई है। आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप की मौजूदा रैंकिंग में पाकिस्तान दो अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम ने इस साल की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में एक जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, जिम्बाब्वे पहली बार 'व्हाइट-बॉल' (सीमित ओवरों की) सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करने जा रहा है। मेहमान टीम अप्रैल के आखिर में कराची पहुंचेगी और वनडे सीरीज से पहले एक ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेगी। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच 3, 6 और 9 मई को वनडे मैच खेले जाने हैं।

क्या इस सीजन टूटेगा आईपीएल 2024 में बने शतकों का रिकॉर्ड?

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला गया था। इस मैच में केकेआर की तरफ से खेलते हुए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम ने शतक लगाया था। मैक्कुलम ने मात्र 73 गेंदों पर 13 छक्कों और 10 चौके लगाते हुए 158 रन की पारी खेली थी।

मैक्कुलम की इस पारी ने टी20 और आईपीएल के भविष्य को पहले ही मैच में परिभाषित कर दिया था, जो साल-दर-साल और बेहतर और भव्य होता जा रहा है। मैक्कुलम के लगाए शतक के बाद आईपीएल में लगातार शतक लगे हैं।

आईपीएल 2024 लीग का 17वां सीजन था। इस सीजन में 14 शतक लगे। किसी भी सीजन में लगने वाले शतकों का यह रिकॉर्ड है। आईपीएल 2023 में लगे 12 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2024 में नया रिकॉर्ड बना था।

आईपीएल 2024 में विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, ट्रेविस हेड, साई सुदर्शन, सुनील नरेन, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रोहित शर्मा, मार्क्स स्टॉयनिस, सूर्यकुमार यादव, जॉनी बेयरेस्टो, और विल जैक्स ने 1-1 शतक लगाया था, जबकि जोस बटलर ने 2 शतक लगाए थे। आईपीएल 2026 लीग का 19वां सीजन है। इस सीजन में भी शतकों की झड़ी लगी हुई है। सवाल यह है कि क्या इस सीजन आईपीएल में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड बन पाएगा या नहीं। आईपीएल 2026 में 36 मैचों तक 8 शतक लगाए जा चुके हैं। सीजन के बचे हुए मैचों में अगर 7 और शतक लगते हैं तो यह रिकॉर्ड होगा और आईपीएल 2024 में लगे 14 शतकों का रिकॉर्ड टूट जाएगा।

आईपीएल 2026 में जिन बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं। उनमें चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन (2), मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा (1), राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी (1), सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (1), मुंबई इंडियंस के क्विंटन डिकॉक (1), दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल (1) और गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (1) का नाम शामिल है।

सीजन में अभी फाइनल तक 38

एमसीए ने टी20 मुंबई विमेंस लीग का लोगो जारी किया, 2 मई को होगी नीलामी

मुंबई । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने रविवार को पहली टी20 मुंबई विमेंस लीग का आधिकारिक लोगो जारी किया। पुरुषों के बाद महिला क्रिकेटरों के लिए टी20 लीग की शुरुआत मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा और अहम कदम है।

अनावरण किया गया लोगो आधुनिक महिला क्रिकेट की भावना को दिखाता है। यह टी20 फॉर्मेट की गतिशीलता, लक्ष्य, और ऊर्जा को दिखाता है, साथ ही मुंबई की समृद्ध खेल विरासत से भी जुड़ा है।

मुंबई को भारतीय क्रिकेट के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण शहर के रूप में देखा जाता है। एमसीए द्वारा महिलाओं के लिए टी20 लीग की शुरुआत एक टूर्नामेंट शुरू होने से कहीं ज्यादा है। लीग को मुंबई की अगली पीढ़ी की महिला क्रिकेटरों को पहचानने, उन्हें बेहतर बनाने और आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा के भंडार के रूप में देखी जाने वाली मुंबई ने कई बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं। टी20 मुंबई विमेंस लीग के साथ, एमसीए अब उस विरासत को आगे बढ़ा रहा है, और विमेंस क्रिकेट में वही कॉम्पिटिटिव कड़ापन और इकोसिस्टम की गहराई ला रहा है।

टी20 मुंबई विमेंस लीग का यह पहला संस्करण होगा। पहले संस्करण में तीन टीमें होंगी, जिसका फॉर्मेट इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मैच का ज्यादा से ज्यादा अनुभव और कॉम्पिटिटिव बढ़त मिले। लीग को एक जरूरी फीडर सिस्टम के तौर पर बनाया जा रहा है, जिससे खिलाड़ी आसानी से स्टेट-लेवल स्क्वॉड और नेशनल मुकाबले में जा सकें।

भारत में विमेंस क्रिकेट एक अहम मोड़ पर है, जिसे बढ़ती व्यूअरशिप, बढ़े हुए संस्थागत निवेश और विमेंस प्रीमियर लीग जैसे प्लेटफॉर्म की सफलता से बढ़ावा मिल रहा है।

संडे ऑन साइकिल' फिटनेस और अनुशासन का जश्न है : रक्षा खडसे

श्रीनगर । केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे रविवार को डल झील के किनारे आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुईं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी है।

रक्षा खडसे ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम से जुड़ी कई तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, 'चिंतार शिविर का दूसरा दिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन और केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए दिन की शुरुआत संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम से हुई। यह कार्यक्रम फिटनेस और अनुशासन का जश्न है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'इस पहल में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों और अधिकारियों ने जोश के साथ हिस्सा लिया, जो फिट इंडिया के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है।'

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के अलावा जम्मू-कश्मीर के खेल मंत्री सतीश शर्मा ने भी हिस्सा लिया। डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम में आए स्थानीय लोगों के साथ साइकिलिंग की। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मांडविया ने कहा, 'युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत श्रीनगर में डल झील के किनारे एक 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया गया। कश्मीर के लोगों ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल विभिन्न राज्यों के मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। यह कार्यक्रम एक खुशनुमा माहौल में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के बीच फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलायी गई।

तीन दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंचे डॉ. मांडविया ने कहा, 'किसी भी देश को समृद्ध राष्ट्र बनना है तो देश के नागरिकों का स्वस्थ रहना जरूरी है। नागरिक फिट रहेंगे तो समाज स्वस्थ रहेगा। एक स्वस्थ समाज ही 'विकसित भारत' का निर्माण कर सकता है। इस उद्देश्य को सिद्ध करने के लिए हर रविवार देश में 16 हजार से अधिक स्थानों पर 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन हो रहा है।'

मेरे सामने जो भी स्थिति आती है, उसके लिए हर तरह से तैयार रहने पर ध्यान देता हूं: साई सुदर्शन

चेन्नई । गुजरात टाइटंस (जीटी) के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ शतकीय पारी खेली। इस पारी के बाद सुदर्शन ने बताया कि कैसे टी20 क्रिकेट की लगातार बदलती मांगों के हिसाब से ढलना आज के दौर की बल्लेबाजी का अहम हिस्सा है।

सुदर्शन ने बैटिंग ऑर्डर में सबसे ऊपर खेलने के तरीके पर बात करते हुए, हर तरह से खेलने की काबिलियत और हालात को समझने की अहमियत पर जोर दिया। एमए चिदंबरम स्टेडियम में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के फलसफे को समझाते हुए ब्रॉडकास्टर्स से कहा, 'बतौर टीम मैं और शुभी (शुभमन गिल), हम 'परसेंटेज क्रिकेट' पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हम कोशिश करेंगे कि टीम को जितना हो सके आगे ले जाएं। हमारे लिए इसका मतलब है कि जब 14वें या 15वें ओवर में दूसरे बैट्समैन आएं, तो उन्हें एक बहुत अच्छा आधार मिले।

यह समझाते हुए कि यह फॉर्मेट कैसे बदल रहा है, सुदर्शन ने हालात के हिसाब से ढलने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'टी20 लगातार बदल रहा है।

बैडमिंटनः 'इससे खेल कमजोर होगा', विमल कुमार ने नए '3×15 स्कोरिंग सिस्टम' की आलोचना की

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बैडमिंटन कोच विमल कुमार ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के नए 3×15 स्कोरिंग सिस्टम को शुरू करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि नए नियम से खेल कमजोर होगा। कुमार ने काउंसिल मेंबर्स से इस प्रस्ताव को मिले सपोर्ट पर चिंता जताई।

विमल कुमार ने कहा, 'बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव करने के फैसले से बहुत निराश हूं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि काउंसिल मेंबर्स से इसे जबरदस्त समर्थन मिला है। मौजूदा फॉर्मेट ने सभी खेलने के स्टाइल में, खासकर मेन इवेंट्स—पुरुष और महिला एकल में एक जैसा मौका सुनिश्चित किया। स्किल, लचीलापन, फिटनेस और मेंटल स्ट्रेंथ हमेशा हमारे खेल की खासियत रही है। अवधि को असरदार तरीके से कम करके (असल में एक गेम जितना खेलने का समय—18 अंक हटाकर), बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन इन इवेंट्स को कमजोर करने का रिस्क उठा रहा है।

उन्होंने कहा, 'यह कहना कि इससे शुरुआती उत्साह पैदा होगा छोटी सोच वाला लगता है। बैडमिंटन में एक्साइटमेंट की कभी कमी नहीं रही। इस खेल ने लगातार इंटेंसिटी है, जिसकी बराबरी बहुत कम खेल कर सकते हैं। अगर बदलाव जरूरी था, तो एकल की इंटीग्रिटी को बनाए रखते हुए, इसे चुनिंदा डबल्स फॉर्मेट में क्यों नहीं लागू किया गया? यह ज्यादा संतुलित तरीका होता।

स्कोरिंग सिस्टम के अलावा, कुमार ने इस खेल में कुछ और गहरी दिक्कतों पर भी जोर दिया, जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए पुरस्कार राशि की कमी, एकल में सीमित इनाम और अंपायरिंग के फैसलों के लिए रिव्यू सिस्टम का न होना शामिल है।

विमल कुमार ने एक्स पर लिखा, 'बैडमिंटन को दुनिया के सबसे मुश्किल खेलों में से एक माना जाता है। 90 मिनट के एकल मैच में लगभग एक घंटे का शटल खेल में हो सकता है—जो कई लंबे समय तक चलने वाले खेलों से कहीं ज्यादा है। फिर भी, इन खास बातों को मजबूत करने के बजाय, इस तरह के फैसलों से उन्हें कमजोर करने का खतरा है। खिलाड़ियों से उम्मीद की जाती है ।

सेबेस्टियन सावे के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड, 2 घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले बने पहले पुरुष एथलीट

लंदन । केन्या के सेबेस्टियन सावे ने रविवार को लंदन मैराथन 2026 में इतिहास रच दिया। उन्होंने इस मैराथन को पूरा करने के लिए 1 घंटा, 59 मिनट और 30 सेकंड का समय लिया, और दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले पहले पुरुष एथलीट बन गए। 31 वर्षीय सावे ने 2:00:35 के पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिसे दिवंगत केल्विन किपटम ने 2023 शिकागो मैराथन में बनाया था।

दूसरे स्थान पर इथियोपिया के योमिफ केजेलचा रहे, जिन्होंने 1:59:41 का समय लिया। वे भी दो घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने में सफल रहे, जबकि युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 2:00:28 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने 2:15:41 के समय के साथ महिलाओं के वर्ग में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले साल लंदन में मैराथन को 2:15:50 में पूरा करके रिकॉर्ड बनाया था। केन्या की हेलेन ओबिरी और जॉयसिलिन जेपकोसगेई क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। शुरुआत से ही यह दौड़ कुछ खास होने का संकेत दे रही थी। आगे चल रहे धावकों के समूह में सावे, केजेलचा, तीन बार के विश्व क्रॉस-कंट्री चैंपियन जैकब किप्लिमो, ओलंपिक चैंपियन तमिरात टोला, 2022 लंदन मैराथन विजेता आमोस किप्रुतो और डेरेसा गेलेटा शामिल थे। आगे चल रहे छह धावकों का यह समूह अगले 10 किलोमीटर तक भी एक साथ दौड़ता रहा, लेकिन 30 किमी (1:26:03) तक पहुंचते-पहुंचते इन सभी के बीच अंतर बढ़ गया। तेज गति से दौड़ने का असर उन पर दिखने लगा था।

दौड़ का निर्णायक चरण 30 किमी और 35 किमी के बीच आया। 13:54 के 5 किमी स्प्लिट के साथ सावे और केजेलचा आगे निकल गए और किप्लिमो को पीछे छोड़ दिया।

किप्लिमो तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद आगे चल रहे दोनों धावकों ने फिर से अपनी गति बढ़ाई और अगले 5 किमी का सफर 13:42 में तय किया, जिससे हर कदम के साथ दो घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने की संभावना बढ़ती गई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415